

कई राज्यों में तबाही का मंजर, आपदाओं से निपटने के लिए कौशल और संसाधन बढ़ाने की जरूरत

जिन चीजों के बारे में ज्यादातर लोग जानते हैं, यदि आप उनसे अनजान नहीं हैं, तो उत्तर भारत के हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, जम्मू एवं कश्मीर, पंजाब और दिल्ली-में बारिश और बाढ़ से हो रही तबाही से आप अनजान नहीं रह सकते। भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ आदि में मौत और इमारतों के बह जाने जैसी तबाही की तस्वीरों को भुला पाना मुश्किल है। खास तौर से हिमाचल प्रदेश बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, जहां 108 लोगों की मौत की खबर है। हम इसके कारण जानते हैं।

जलवायु परिवर्तन के इस दौर में अब हम चरम और अनियमित मौसमी घटनाओं के बारे में कोई बहाना नहीं बना सकते। अभूतपूर्व बारिश अब असामान्य घटना नहीं रही। लेकिन यह सिर्फ बार-बार होने वाली चरम मौसमी घटनाओं की मार नहीं है। हम जलवायु परिवर्तन को और अधिक गंभीर बनाने वाले कारकों- अनियोजित शहरीकरण, एक युवा पर्वत श्रृंखला पर, जो अब भी भौगोलिक रूप से सक्रिय है, अनियमित एवं अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचे के विकास की अनदेखी नहीं कर सकते। इन कारकों से कोई बच नहीं सकता। इसके बावजूद हम इनमें से किसी एक की अनदेखी कर अपनी उपेक्षा का परिचय देते हैं।

विकास बनाम पर्यावरण की बहस आज अप्रासंगिक हो गई है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के दौर में बिना सोचे-समझे किया गया

विकास जीवन और आजीविका की तबाही के समान है। वही बुनियादी ढांचा परियोजनाएं इसका निशाना बन रही हैं, जिन्हें विकास का प्रतीक माना जाता है। जलवायु परिवर्तन के समय में इस मुद्दे को विनाश बनाम विकास के रूप में फिर से परिभाषित किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि हम किसी संवेदनशील पहाड़ी इलाके में जहां अभी टू-लेन मार्ग है, फोर-लेन राजमार्ग बनाना चाहें, तो इसका मतलब है कि वन क्षेत्र के एक बड़े हिस्से का विनाश। इससे ढलान अस्थिर हो जाएंगे, जिसे फिर से स्थिर होने में दशकों लगेंगे। इसका मतलब यह भी है कि निर्माण और भूस्खलन से निकलने वाला मलबा नदियों के बहाव को बाधित करेगा, जिससे अप्रत्याशित बाढ़ की स्थिति पैदा होगी। यह बस एक उदाहरण है कि कैसे विकास का एक खास मॉडल हमें विनाश के खतरे में डालता है-



जिस तरह का विनाश हम अपने टीवी पर देखते हैं। ऐसे में, एक सामान्य नागरिक क्या कर सकता है? आइए, बेहतर जानकारी पाने की शुरुआत करते हैं। जल संसाधन (2022-23) पर गठित स्थायी समिति ने बताया कि हिमस्खलन, बादल फटने और भूस्खलन सहित पहाड़ी खतरों/आपदाओं की घटनाओं में हालिया वृद्धि ने एक मजबूत

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और दिल्ली में बारिश व बाढ़ से हुई तबाही भीषण है, पर जलवायु परिवर्तन के इस दौर में ऐसी त्रासदियों के बारे में हम कोई बहाना नहीं बना सकते।

प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के सर्वोपरि महत्व को रेखांकित किया है। समिति ने जोर देकर कहा कि इन घटनाओं को एक मामले के रूप में अलग करके नहीं देखा जाए, बल्कि व्यापक प्रभाव वाली संभावित कई आपदाओं से जोड़कर देखा जाए।

समिति की रिपोर्ट में महत्वपूर्ण रूप से यह रेखांकित किया गया कि मौजूदा चेतावनी प्रणालियां इस

तरह की आपदाओं से निपटने में सक्षम नहीं हैं, क्योंकि इन्हें केवल एक आपदा का पूर्वानुमान लगाने के लिए तैयार किया गया है। समिति ने विफारिश की कि जल संसाधन विभाग को इस संबंध में पहल करनी चाहिए और एनडीएमए, भारतीय मौसम विभाग एवं संबंधित राज्य सरकारों, जैसी अन्य सरकारी एजेंसियों से परामर्श करके बहु-आपदा जोखिम मूल्यांकन दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए, ताकि संभावित पर्वतीय खतरों के संबंध में सभी हितधारकों को नियमित निगरानी और खतरों/आपदाओं के संबंध में चेतावनियां जारी करने वाली एकल नोडल एजेंसी के तत्वावधान में वास्तविक समय समन्वित तंत्र के साथ एक बहु-आपदा प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित की जा सके। एक बड़ा मुद्दा जल सुरक्षा का भी है। इसमें

हिमालयी ग्लेशियर रणनीतिक भूमिका निभाते हैं। तीन प्रमुख भारतीय नदी प्रणालियां ग्लेशियर से पोषित हैं, जो देश को पेयजल जरूरतों, पनबिजली, उद्योग, कृषि आदि जैसे विभिन्न उपयोगों के लिए जल सुरक्षा प्रदान करती हैं। ग्लेशियरों से सटी घाटियों में हरित आवरण महत्वपूर्ण है, जो बफर (प्रतिरोधी) का काम करता है और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को घटाने में मदद करता है। इन सभी कारणों से समिति को लगा कि इन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए। इसके लिए समिति ने जल संसाधन विभाग, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं अन्य संबंधित मंत्रालयों के सहयोग से संवेदनशील हिमालयी ग्लेशियर प्रणाली के संरक्षण के लिए एक व्यापक नीति प्रतिक्रिया विकसित करने का आग्रह किया है।

९९

संपादकीय

शहर बाढ़ से कैसे बचे?

सवाल सिर्फ बाढ़ का पानी भरने का नहीं है, बल्कि हकीकत यह है कि भारी बारिश की स्थिति में भी महानगरों में बाढ़ जैसा नजारा पैदा होता रहा है। मुंबई, चेन्नई, बंगलुरु और अब दिल्ली में भी इस तरह की गंभीर समस्या खड़ी हो चुकी है। देश की राजधानी का बड़ा हिस्सा पिछले हफ्ते बाढ़ में डूब गया। बारिश हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हुई, जिससे यमुना में पानी आया। उस पानी को हरियाणा में स्थित हथिनीकुंड बरज नहीं संभाल सकता था, तो उसे आगे यमुना में छोड़ दिया गया। नतीजा दिल्ली में ऐसा नजारा देखने को मिला, जो दशकों से कभी नहीं दिखा था। गौरलभ है कि बीते सप्ताह के अंत में मानसून की अत्यधिक भारी शुरुआत के कारण हिमाचल के कई जिलों में एक दिन में ही एक महीने के बराबर बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले समय में भी भारी बारिश होने का अनुमान है। आशंका जताई है कि ऐसा हुआ तो, इससे पूरे क्षेत्र में सड़कों पर पानी भार जाएगा, ट्रेफिक जाम होगा और बिजली कटौती हो सकती है। उत्तर भारत के कई राज्यों में भारी बारिश के बाद हालात पहले से ही बहुत खराब हैं। गंगा, रावी, चिनाब, ब्यास, सतलुज समेत कई नदियां उफान पर हैं। इसी का परिणाम हुआ कि दिल्ली में यमुना नदी का जल स्तर ऐतिहासिक रूप से काफी बढ़ गया। दिल्ली के ना सिर्फ निचले इलाके डूब गए, बल्कि कई पॉश इलाकों में भी पानी भर गया। इससे शहरों के मौजूदा ढांचे को लेकर एक बहस खड़ी हो गई है। सवाल सिर्फ बाढ़ का पानी भरने का नहीं है, बल्कि हकीकत यह है कि भारी बारिश की स्थिति में भी महानगरों में बाढ़ जैसा नजारा पैदा होता रहा है।

औद्योगिक नौकरियां कहां हैं, विनिर्माण रोजगार में रुकीं वृद्धि की राहें

दुनिया का कोई भी देश मजबूत विनिर्माण आधार के बगैर गरीबी कम करने या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि को बनाए रखने में कामयाब नहीं हुआ है। वर्ष 1979-2014 के बीच विनिर्माण जीवीए (ग्रॉस वैल्यू एडेड) का योगदान भारत के कुल घरेलू उत्पाद में 16-18 फीसदी के बीच रहा, जो उसके बाद 2019 तक गिरकर 13 फीसदी रह गया। हालांकि उम्मीद है कि 2022-23 में इसमें सुधार होगा। इसके विपरीत, बांग्लादेश में यह आंकड़ा 2021 में बढ़कर 21 फीसदी हो गया और वियतनाम में यह 2021 में कुल उत्पाद का 25 फीसदी तक हो गया। इन देशों ने एफडीआई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी आकर्षित किया है।

भारत में विनिर्माण रोजगार में वृद्धि नहीं हुई है, जबकि यह अत्यंत श्रम अधिशेष अर्थव्यवस्था है। ऐसे में आवश्यक है कि श्रम



भारत में विनिर्माण रोजगार में वृद्धि नहीं हुई है, जबकि यह अत्यंत श्रम अधिशेष अर्थव्यवस्था है।

गहन विनिर्माण उद्योगों की अधिक से अधिक स्थापना हो, लेकिन उसके बिना विपरीत हो रहा है। देश में करीब चार करोड़ बेरोजगार हैं, और हर वर्ष श्रम बल में 50-60 लाख लोग और जुड़ रहे हैं। इस बीच कुल काम के हिस्से के रूप में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार 2019-22 के बीच गिरकर (जीडीपी में विनिर्माण योगदान

बहुत कम थे कि भारत की विनिर्माण क्षमता मजबूत हो। आखिरकार 2011 में ही सरकार एक राष्ट्रीय विनिर्माण रणनीति लेकर आई, जिसके बाद 2012 में एक इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और विनिर्माण नीति भी आई। वर्ष 2015 में जारी मेक इन इंडिया कोई औद्योगिक नीति नहीं थी, क्योंकि इसमें केवल व्यापार करने में आसानी और एफडीआई आकर्षित करने पर जोर दिया गया था।

विनिर्माण क्षेत्र में एकमात्र अन्य पहल पीएलआई रही है, जिसमें कई कमियां हैं। सबसे पहले, यह क्षेत्रों के बजाय जीतने वाली कंपनियों को चुनने के लिए नुस्खेदार दृष्टिकोण पर आधारित है। पीएलआई के साथ दूसरी समस्या सेक्टरों के चयन की है। वित्तीय सख्ती प्राप्त करने के लिए चुने गए 13 क्षेत्रों में से ग्यारह पूंजी गहन हैं। भारत को अच्छी गुणवत्ता

वाली अधिक औद्योगिक नौकरियों की सख्त जरूरत है; कुछ हजार अत्यधिक कुशल लोगों को छोड़कर पीएलआई से शायद ही अधिक नौकरियां निकलेंगी। हमारे देश में कम और अर्धकुशल लोगों की संख्या ज्यादा है, जिन्हें अधिक श्रम गहन क्षेत्रों में नियोजित किया जा सकता है। तीसरा, पीएलआई स्क्रीम में विजेता कंपनी को चुनने में नौकरशाही को भूमिका देना लाइसेंस-परमिट राज की ओर इशारा करता है, जो बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करने वाला है। चौथा, पीएलआई की एक जबरदस्त राजकोपीय लागत है-पांच वर्षों में 1.5 अरब रुपये। यह तब है, जब राजकोपीय घाटा ऐतिहासिक ऊंचाई पर है, और कोविड वर्षों में ऋण-जीडीपी अनुपात 60 से 85 फीसदी तक बढ़ गया है। इसके अलावा, कठिन बुनियादी ढांचे

में निवेश के अलावा, मानव पूंजी को लिए धन की आवश्यकता होती है। पांचवां, पीएलआई के साथ एक जोखिम यह भी है कि सख्ती के पांच साल पूरे होने पर लाभार्थी उद्योग और अधिक लाभ के विस्तार की मांग करेंगे। भारत में खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा उद्योग, रेडिमेड कपड़े, चमड़े के जूते, लकड़ी के फर्नीचर जैसे श्रम-केंद्रित विनिर्माण क्षेत्रों में 2012 के बाद से गिरावट आई है। भारत में विनिर्माण रोजगार और कुल नौकरियां भी कम हुई हैं। भारत उस बाजार हिस्सेदारी का एक हिस्सा ले सकता है, जो चीन में बढ़ती मजदूरी के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में खो रहा है। लेकिन भारत बांग्लादेश, वियतनाम, म्यांमार और इथियोपिया से हार रहा है।

- संतोष मेहरोत्रा

मिला जुला

कलेक्टर डॉ. मित्तल की अध्यक्षता में डीएमएफ शासी परिषद व प्रबंध कारिणी की संयुक्त बैठक आयोजित

जोहार छत्तीसगढ़- जशपुरनगर।



कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल की अध्यक्षता में विगत दिवस कलेक्टर सहायक में जिला खनिज संस्थान न्यास शासी परिषद एवं प्रबंध कारिणी की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 में डीएमएफ म से तैयार किए गए कार्यांतर कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रायमुनी भगत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संजित मिश्रा, सदस्य अजय गुप्ता, कमलेश्वर नायक, फुलेश्वरी जाडवी एवं सभी जनपद सीईओ, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में डीएमएफ पोर्टल में स्वीकृत कार्यों की प्रगति रिपोर्ट इन्द्राज की अद्यतन स्थिति पर चर्चा के एवं पूर्व वर्षों के अपूर्ण कार्यों के संबंध में भी विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही डीएमएफ

से वर्ष 2023-24 के नवीन कार्ययोजना पर चर्चा उपरांत अनुमोदन किया गया। कलेक्टर डॉ. मित्तल ने कहा कि जिले में कुपोषण मुक्ति, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण, शिक्षा, कृषि व उद्यानिकी के साथ शासन की पर्यवेक्षण योजनाओं के लिये डीएमएफ निधि से लगातार कार्य किए जा रहे हैं। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिए निर्देशों एवं घोषणाओं का धरातल पर क्रियान्वयन प्रशासन की पहली प्राथमिकता रही है। साथ ही स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को सुनिश्चित करने

एवं मूलभूत सुविधाओं को सुलभ कराने हेतु सकारात्मक एवं परिणाममूलक पहल प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ग्रामीणों की आय संवृद्धि की दिशा में गंभीरता से प्रयास कर रही है। इसके लिए जिले में कृषि एवं कृषि के आनुशांगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने कार्य किया गया है। डॉ. मित्तल ने बताया कि जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, कुपोषण को दूर करने की दिशा में डीएमएफ मद की राशि का बेहतर उपयोग किया जा रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु प्राथमिकता से कार्य

किया जा रहा है। शिक्षा विभाग के अंतर्गत संकल्प, नवसंकल्प शिक्षण संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था के साथ ही आईआईटी, जेईई, नीट परीक्षा की तैयारी कराई जा रही है।

साथ ही बच्चों को आईआईटी मुंबई, राजधानी, विधानसभा का एक्सपोजर भ्रमण कराया गया है। स्वामी आत्मनंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में नवाचार करते हुए एस्ट्रोलांजी व रोबोटिक्स लैब की स्थापना किया गया है। जिले में हॉकी खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर तैयार करने हेतु विभिन्न आधुनिक हॉकी खेल एवं ट्रेनिंग सामग्री प्रदाय की जा रही है। वन विभाग अंतर्गत जिले में मधुमक्खी पालन हेतु आईआईटी मुंबई के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। साथ ही जिले में चाय की खेती को बढ़ावा देने हेतु भी पाठ क्षेत्रों में किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्वास्थ्य ट्राईबल सहित

अन्य विभागों में नियुक्त मानव संसाधनों का वेतन भुगतान भी किया जाता है।

सीईओ जिला पंचायत मिश्रा द्वारा मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण, एनआरएलएम मिलेट कार्नर, सी मार्ट के संचालन एवं जिले की उपलब्धियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इसी प्रकार खेल, पशुपालन, उद्यानिकी, कौशल विकास विभाग, क्रेडा सहित अन्य विभागों द्वारा डीएमएफ निधि से किए जा रहे कार्यों से उपस्थित सभी लोगों को अवगत कराया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा प्रतिवर्ष जिला खनिज संस्थान न्यास को आर्बिट रशि के बेहतर उपयोग के लिए कार्ययोजना तैयार करने हेतु आवश्यक सुझाव प्रस्तुत किए गए। जिसका प्रभावी क्रियान्वयन की बात उपस्थित सभी अधिकारियों द्वारा कही गई।

फोटो- 03

रीपा गौठानों में गतिविधियां बढ़ाने व उत्पादों का विक्रय करने कलेक्टर ने दिया जोर

राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों का जल्द निबटारा करें- कलेक्टर डॉ. सिद्धीकी

जोहार छत्तीसगढ़- सारंगढ़-बिलाईगढ़।

कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्धीकी ने आज साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों का जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश सभी तहसीलदार व राजस्व अधिकारियों को दिए। उन्होंने पिछली बैठक के उपरांत प्रकरणों में प्रगति नहीं आने पर नाराजगी जाहिर करते हुए शीघ्रता से निष्पादित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।



कलेक्टर सहायक में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि रीपा गौठानों में फ्लायि एंश की ईट का निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ किया जाना है, इसके लिए सी.ई.ओ. आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लें। वहीं गौठानों में तैयार किए गए कम्पोस्ट का विक्रय इस माह के अंत तक किसानों को करने के निर्देश दिए, क्योंकि अब अमरुत से इसकी मांग लगभग क्षीण हो जाएगी। साथ ही किसानों को रासायनिक खादों के स्थान पर जैविक खादों का उपयोग करने और इसे लेकर जागरूक करने के निर्देश उप संचालक कृषि को दिए। इसके अलावा बैठक में कलेक्टर ने स्कूल जतन योजना, आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति, स्कूलों में जाति प्रमाण-पत्र तैयार करने, मुख्यमंत्री शहरी स्लम

स्वास्थ्य योजना का क्रियान्वयन, ई-केवायसी, सी-मार्ट में विक्रय की स्थिति आदि की समीक्षा विस्तारपूर्वक करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने आगामी भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम स्वीप चलाए जाने और मतदान का प्रतिशत कम रहने वाले पोलिंग बूथों को चिह्नित कर वहां पर सतत मतदाता जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही इसके लिए तिथिवात तैयार की गई कार्ययोजना के बारे में बैठक में बताया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी हरिशंकर चौहान, संयुक्त कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज सहित जिला स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

दुलदुला में छत्तीसगढ़ पंचायत नेटवर्क सीजी पंच की बैठक हुई आयोजित

कलेक्टर ने सरपंचों को बच्चों और महिलाओं के पोषण पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा

जोहार छत्तीसगढ़- जशपुरनगर।



दुलदुला विकासखण्ड के जनपद पंचायत सहायक में आज छत्तीसगढ़ शासन एवं यूनीसेफ की साझा कार्यक्रम छत्तीसगढ़ पंचायत नेटवर्क सी.जी. पंच की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल, छत्तीसगढ़ यूनिसेफ चीफ जॉब जकारिया, डॉ. गजेन्द्र, सीजी पंच आई.टी को ऑर्डिनेटर जितेंद्र विन्डू, सरगुजा कोऑर्डिनेटर बिंदिया खलखो, प्रेम प्रकाश, विनय, अनिल बघेल और विभिन्न ग्राम पंचायत के सरपंचगण उपस्थित थे। बैठक में महिलाओं तथा बच्चों के हित में किए गए

कार्यों शत प्रतिशत, आंगनवाड़ी तथा स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति, एनीमिया, कुपोषण से बाहर निकालने के उपाय सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने सरपंचों को बच्चों और महिलाओं के पोषण पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। साथ ही बीच-बीच में आयरन की गोली,

जरूरी स्वास्थ्य सेवा भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सरपंचों को नियमित अपने क्षेत्रों का निरीक्षण करके बच्चों और गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी लेने के लिए कहा है। यूनिसेफ चीफ जॉब जकारिया द्वारा सरपंचों से बच्चों के टीकाकरण में विशेष ध्यान देने के लिए

अनुरोध किया गया। उन्होंने टीकाकरण के लिए अधिक से अधिक बच्चों को उपस्थित रखने के लिए कहा। आंगनवाड़ी और स्कूलों का समय-समय पर निरीक्षण कर बच्चों और महिलाओं के समस्याओं से रूबरू होने की बात कही। साथ ही उनके समस्याओं के निराकरण के लिए स्थानीय स्तर पर पहल कर आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा गया। आईटी कोऑर्डिनेटर जितेंद्र विन्डू ने सी.जी पंच के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि सी.जी पंच का गठन सरपंचों के व्यक्तिगत विकास करने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि सीजी पंच का

उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों के हित में ग्राम पंचायत काम करें। इस हेतु सरपंचों को प्रोत्साहित किया गया। बैठक में सरपंचों ने भी अपनी-अपनी राय रखी। सरपंचों ने आंगनवाड़ी की मरम्मत और पोषण वाटिका लगाने सहित अन्य कार्य के लिए अपने सुझाव दिए। डॉक्टर गजेन्द्र ने हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को एएनएम से लगातार संपर्क में रहने समझाइश दी तथा संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित किया उन्होंने सिकलसेल को पहचान के लिए परिवार की अध्यक्ष सदस्य की ब्लड टेस्ट कराने कहा जिससे सिकल सेल के लक्षण कि पता चल सके।



दस वर्ष पूर्व मृत घोषित हुआ व्यक्ति निकला जीवित, फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनाकर जमीन रजिस्ट्री का मामला

जोहार छत्तीसगढ़- बलौदाबाजार।

राजस्व विभाग में बिना पैसा दिए कोई भी काम कराना असंभव हो जाता है वही इनकी खास विशेषता यह भी है की मोटी रिश्त या नजराना हर कार्य को मुमकिन कर देती है।

ताजा मामला पलारी तहसील से निकल आया है जहां वर्ष 2015 में दो सगे भाई प्रमोद कुमार व प्रदीप कुमार पिता स्व शिवशंकर गुप्ता कास्तकार ग्राम पलारी को नगर पंचायत पलारी द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है और उसी फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर जमीन की बिक्री रजिस्ट्री कर दिया गया है। पुरे मामले में बड़ा सवाल यही है की दोषी किसे ठहराया जाय क्योंकि सम्बंधित मुख्य नगरपालिका अधिकारी, पटवारी, तहसीलदार या रजिस्ट्रार जिन्होंने निशमों को ताक में रखकर चंद रुपयों की रिश्तखोरी में अवैध रजिस्ट्री को

अंजाम तक पहुंचाया या फिर प्रार्थी के सगे भाई विनोद कुमार गुप्ता को दोषी ठहराया जाय जिन्होंने सम्बंधितों को रिश्त खिलाकर उक्त कार्य को संपन्न कराया। प्रार्थी ने जिला कलेक्टर व सम्बंधित थाना में षडयंत्रपूर्वक छलकपट करते हुए साक्ष्य छुपाकर जीवित व्यक्तियों का कूट रचित फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने तथा भूमि को हड़पने की नियत से खरीदी, बिक्री करने वाली के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा की हम प्रमोद कुमार उम्र 54 वर्ष पिता स्व. शिवशंकर जाति हलवाई, वार्ड क्रमांक 20, जलालपुर, तहसील व जिला भदोही उ.प्र. एवं प्रदीप कुमार पिता शिवशंकर उम्र 51 वर्ष जाति हलवाई, ग्राम मोहल्ला मध्यमेश्वर थाना मैदागिन तहसील व जिला वारानसी उ.प्र. कास्तकार ग्राम पलारी, वार्ड क्रमांक 11. तहसील पलारी, जिला बलौदा भाटा छा के रहने वाले हैं। हम दोनों भाई का पैदासी ग्राम पलारी है। तथा पलारी नुग्य सभा पहिली से आठवीं तक शिक्षा दीक्षा यही हुआ है। तथा मैं प्रमोद बचपन से लेकर 1982 तक एवं प्रदीप बचपन से 2001 तक पलारी में ही निवास कर रहे थे।



हम दोनों के नाम से ग्राम पलारी में भूमि स्वामी हक में दर्ज भूमि खसरा नम्बर 1071/3 रकबा 0.040 है। भूमि संयुक्त रूप से खाने में दर्ज था। सन 2007-08 के राजस्व अभिलेख में भूमि दर्ज चला आ रहा था हमारे विरुद्ध षडयंत्रकारी करते हुए विनोद कुमार गुप्ता पिता शिवशंकर गुप्ता एवं मा पति स्व. शिवशंकर गुप्ता साकिन पलारी एवं आशीष पिता खिलेन्द्र कुर्मी, आनंद पिता खिलेन्द्र कुर्मी द्वारा कूट रचित दस्तावेज जालसाजी छलकपट षडयंत्र करते हुए हमारे भूमि को हड़प लिया है। एवं फर्जी नामांतरण करा लिया है। हम दोनों को

अविवाहित मृत्यु हो गया है। करके मेरा अर्थात् प्रमोद कुमार का 18 अगस्त 2009 को एवं प्रदीप कुमार की 23 जून 2013 को कूट रचित फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र वास्तविक साक्ष्य को जानते हुए षडयंत्र पूर्वक छुपाकर मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर हमारे नाम की भूमि खसरा नम्बर 1071/3 रकबा 0.040 है। को श्यामादेवी अपने नाम फौती दर्ज कराकर नामांतरण करा लिया है तथा कूट रचित जालसाजी करते हुए एवं वर्तमान में जीवित व्यक्तियों का मृत्यु प्रमाण पत्र जालसाजी कूट रचित दस्तावेज के आधार पर षडयंत्र पूर्वक बनवा

करवा लिया है उक्त लोग भूमि हड़पने के नियत से उक्त भूमि को जालसाजी पूर्वक आशीष पिता खिलेन्द्र एवं आनंद पिता खिलेन्द्र कुर्मी द्वारा खरीदी कर लिया है। उक्त षडयंत्र कर विक्रो करने से जब उक्त भूमि को केता आशीष आनंद खरीदी नहीं किये थे तब मेरे छोटे संतोष कुमार गुप्ता कई बार जाकर उक्त क्रेतागण को मना किया की यह भूमि प्रमोद कुमार एवं प्रदीप कुमार के नाम पर दर्ज है नाम इसलिए आप लोग उसे ना खरीदे खरीदी लेकिन उक्त लोगों ने बोला कि हम लोग खरीदी करेंगे सौदा पक्का हो गया है। हम लोगों को तुम्हारे भाई लोग कुछ नहीं कर पायेंगे हम लोग काफ़ी पहुंच व्यक्ति है। राजनीति पहुंच रखते हैं। यह कहकर धीप देकर यह जानते हुए कि उक्त भूमि कूट रचित दस्तावेज के आधार पर नामांतरण कराकर बिक्री किया जा रहा है। इस बात को भली-भांती जानते हुए उस समय उस भूमि की कीमत लगभग 4-50 लाख की भूमि थी। जिसे मात्र 04 लाख में खरीदी किया है। इस प्रकार से विनोद कुमार श्यामादेवी से जालसाजी दस्तावेज मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में सहयोग कर सांठ-गांठ कर

भूमि हड़पने की नियत से जालसाजी किया। तथा उसी जालसाजी कूट रचित दस्तावेज के आधार पर नामांतरण क्रमांक 39 आदेश 26 जून 2015 को जालसाजी किया है। और कूट रचित दस्तावेज बनाते हुए षडयंत्रकारी लोगों से सांठ-गांठ कर वास्तविकता हो जानते हुए कि उक्त दोनों व्यक्ति जीवित हैं। तथा अविवाहित नहीं हैं। विवाहित तथा उनके पुत्र-पुत्री बाल बच्चे हैं इस बात को भलीभांती जानते हुए आशीष आनंद द्वारा षडयंत्र पूर्वक भूमि क्रय किया है। इस प्रकार से विनोद कुमार श्यामादेवी आशीष आनंद चारों व्यक्ति ऐसा गम्भीर कृत्य किया है। जो अक्षम्य है। जीवित व्यक्ति को मृत बताकर जाली कार्य. करने वाले जालसाजी व्यक्तियों के ऊपर कार्यवाही किया जाना न्यायोचित होगा। अतः से निवेदन है कि उक्त षडयंत्र कारी कूट रचित साक्ष्य छुपाकर भूमि हड़पने जैसा कृत्य करने वाले विनोद कुमार, श्यामादेवी आशीष आनंद निवासी ग्राम पलारी के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही करते हुए हम लोगों की भूमि को दिलाने की असीम कृपा करें।

27 से 31 जुलाई तक शहर और प्रत्येक गांव में बनाया जायेगा आयुष्मान कार्ड

* समस्त छुटे हुये बीपीएल एवं एपीएल राशन कार्डधारी परिवारों को मिलेगा मुफ्त इलाज जोहार छत्तीसगढ़-सूरजपुर।

कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस. सिंह के मार्गदर्शन में शासन के महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत जिले में 27 जुलाई 31 जुलाई तक विशेष अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में शिविर आयोजन कर जिले के समस्त विभाग द्वारा आयोजित विशेष अभियान जिले के समस्त आयुष्मान मित्रों, हेल्थ एण्ड वेलेनेस सेंटर रोजगार सहायक, सचिवों, आरएचओ, द्वितीय एएनएम, एनआरएलएम बैंक सखी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मितानिनों एवं स्वर्धर्म सेंटरों द्वारा छुटे हुए समस्त हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड गांव के पंचायत भवन, नगर पंचायत अथवा स्वास्थ्य केन्द्रों में निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा। आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए गांव में सरपंच, सचिव, मितानिन एवं शहरी क्षेत्र के नगर पंचायत पार्षद व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से संपर्क कर आयुष्मान कार्ड की जानकारी ले सकते हैं। नजदिकी च्याडस सेंटर अथवा अस्पताल में जाकर अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु आवश्यक दस्तावेज हितग्राहियों आधार कार्ड अथवा राशन कार्ड होना अनिवार्य है। विशेष अभियान अंतर्गत जिले के पात्र एपीएल परिवार जैसे. शासकीय सेवा में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारियों एवं अन्य सर्विस में कार्यरत लोगों का भी आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत पात्र, पीएल परिवारों को 50 हजार तक मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाती है। एवं बीपीएल राशन कार्ड अंतर्गत समस्त पात्र परिवारों को 5 लाख तक की स्वास्थ्य सुविधा का लाभ दिया जाता है। कलेक्टर द्वारा जिले के समस्त आयुष्मान कार्ड से वंचित हितग्राहियों से अपील की गई है। कि अपना आयुष्मान कार्ड बनवाये एवं प्रशासन की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठायें।



जनदर्शन में आमलोगों की सुनी गई समस्याएं, जनदर्शन में कुल 74 आवेदन हुए प्राप्त

जोहार छत्तीसगढ़-सक्ती।

जिला कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशन में अपर कलेक्टर बीरेंद्र लकड़ा ने आज कलेक्टर कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से जिले के विभिन्न गांवों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। आज जनदर्शन में मालखरीदा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बरपाली के मानिकपुरी पनिका समाज के लोगों ने मानिकपुरी पनिका, समाज के स्थल पर अतिक्रमण हटाए जाने के संबंध में आवेदन लेकर पहुंचे। जिस पर अपर कलेक्टर ने सम्बन्धित अधिकारी को समस्या के नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार तहसील सक्ती के ग्राम सकरेली कला निवासी दिव्यांग



हेमप्रकाश साहू पिता स्व चंद्रशेखर साहू ने रोजगार दिलाने के सम्बन्ध में आज जनदर्शन में पहुंचे, मालखरीदा निवासी बिहारी लाल रात्रे ने जीपीएफ की राशि दिलाने के सम्बन्ध में, सक्ती तहसील के ग्राम सकरेली कला निवासी संतोषी बाई ने प्रधानमंत्री आवास दिलाने के सम्बन्ध में, मालखरीदा विकासखण्ड के ग्राम अमलीडीह छपोरा, निवासी खीकराम पिता महेंतर ने अपने निजी जमीन की अधिग्रहण की गई जमीन को

मुआवजा राशि दिलाने के संबंध में आवेदन लेकर आज जनदर्शन पहुंचे। इसी प्रकार सक्ती तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम करीबंदा निवासी लक्ष्मीन बाई गोड एवं फिरतीन बाई गोड ने विधवा पेंशन दिलाने के सम्बन्ध में, विकासखंड मालखरीदा के ग्राम बड़े सीपत निवासी प्रणत पाल दास बैरागी ने नाली निर्माण ढोल में पानी निकासी अवरोध होने के संबंध में, जैजैपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत संदरी निवासी गोरिलाल

बर्मन ने ग्राम पंचायत परसाडीह के सचिव द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना में गड़बड़ी के सम्बन्ध में आवेदन लेकर पहुंचे हुए थे। जिस पर अपर कलेक्टर ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। आज जनदर्शन में कुल 74 आवेदन प्राप्त हुए। जिस पर अपर कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित विभाग को अग्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये हैं। उल्लेखनीय है कि शासन के मंशानुरुप आमजनों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ तथा शीघ्र निराकरण करने के उद्देश्य से कलेक्टर द्वारा कलेक्टर कार्यालय में जिला स्तरीय जनदर्शन का आयोजन प्रत्येक बुधवार को आयोजित किया जाता है।

भजापा ने किया विधायक मोहन मरकाम निवास का घेराव, जमकर की नारेबाजी

कोण्डगांव। भजापा ने मंत्री मोहन मरकाम के सरकारी निवास का घेराव कर की नारेबाजी, पुलिस के साथ हुई झुमाझटकी। भारतीय जनता पार्टी पदाधिकारियों ने श्रीनिवास राव मद्दी भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व सुश्री लता उडेंडी के नेतृत्व में बुधवार को स्थानीय मुद्दों के साथ ही भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर मंत्री छत्तीसगढ़ शासन मोहन मरकाम के निवास का घेराव करने पहुंचे,



प्रदर्शनकारियों ने बेरिकेट को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करने के दौरान जवानों व प्रदर्शनकारियों के बीच झुमाझटकी हुई, प्रदर्शनकारी लगातार सरकार विरोधी नारे लगाते रहे। श्रीनिवास राव मद्दी कहा राज्य सरकार की नाकामियों का भारतीय जनता पार्टी लगातार विरोध कर रही, भूपेश बघेल के 36 वादे मात्र जनता को छलने के लिए किए थे आज एक भी वादा पूरा नहीं हुआ

है। फर्जी जाती पर सरकारी नौकरी करने पर कहा कि प्रदेश की भूपेश सरकार के विरोध में समाज का एक वर्ग के लोगों ने नान प्रदर्शन किया, इससे बड़ा दुर्भाग्य सरकार के लिए क्या हो सकता है। ल फर्जी प्रमाण पत्र बनाकर नौकरी हासिल कर ली और नौकरी कर रहे, सरकार उन लगातार विरोध कर रही, भूपेश बघेल के 36 वादे मात्र जनता को छलने के लिए किए थे आज एक भी वादा पूरा नहीं हुआ

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को जिले में जल्द से जल्द गोबर पेंट निर्माण यूनिट शुरू कराए जाने के लिए निर्देश

जोहार छत्तीसगढ़-सक्ती।

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने आज कलेक्टर सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत से गोबर पेंट निर्माण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा जिले में जल्द से जल्द गोबर पेंट निर्माण कार्य शुरू कराए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में खाद भंडारण और वितरण के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और उन्होंने जिले में उर्वरक विक्रेताओं द्वारा उर्वरक गुणवत्ता में अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए। साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेते हुए कलेक्टर ने जिले के विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरण, जनदर्शन तथा जमकायत के लंबित प्रकरणों को समीक्षा करते हुए संबंधित



विभागों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में चल रहे छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल प्रतियोगिता के बारे में जानकारी लेते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराते हुए बेहतर ढंग से आयोजन कराए जाने कहा। कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को आमामी चुनाव की तैयारियों को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारीपूर्वक

निर्धारित समयविधि में किए जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने बैठक में गोधन न्याय योजना, रीपा के कार्य, विभिन्न सड़क निर्माण कार्य, राजीव युवा मितान क्लब, हमर लैब, ब्लड स्टोरेज यूनिट, एनआरसी भवन निर्माण कार्य, सीजीएमएससी के निर्माण कार्य, आरबीसी.6.4 के प्रकरण, राजस्व प्रकरणों का निराकरण, आयुष्मान कार्ड, जल जीवन मिशन के कार्य, अमृत सरोवर योजना, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा लोक निर्माण विभाग अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्य सहित विभिन्न विभाग अंतर्गत चल रहे अन्य कार्यों की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर बीरेंद्र कुमार लकड़ा सहित सर्व एएसडीएम तथा सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

नवागांव में हरेली पर्व पर आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता का खिताब गोबरीपाट ने खरगहना को गोल्डन रेड में हराकर जीता

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

कोटा विधानसभा सभा क्षेत्र के रतनपुर समीप खेलगांव नवागांव में ओमकारा स्पोर्ट्स क्लब व समस्त ग्रामवासी के सहयोग से स्व.देववती साहू पूर्व सरपंच व कामिनी सूर्यप्रकाश जायसवाल की स्मृति में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका खिताब गोबरीपाट कोटा ने खरगहना को गोल्डन रेड में हराकर खिताब जीता इस संबंध में जानकारी देते हुए ओमकारा स्पोर्ट्स क्लब के एन आई एस कबड्डी कोच ओमकारा जायसवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ के पहली त्योहार हरेली पर्व के दिन पानी टंकी खेलमैदान खेलगांव नवागांव में पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतियोगिता का उद्घाटन खेल मैदान संरक्षक सनत पांडेय और गुलाब श्याम ने



बजरंगबली की मूर्ति पर माला पहनाकर पूजा अर्चना कर नारियल फोड़ कर किया इस प्रतियोगिता में 46 गांवों की कबड्डी टीम ने भाग लिया था जिसका खिताब गोबरीपाट ने जीता फ इनल मुकबला रोमांचक रहा और मैच ड्रा हो गया मैच का नतीजा गोल्डन रेड से हुआ। जिसमें गोबरीपाट ने जीत हासिल किया इससे पहले भारी बारिश हुआ उसके बाद ही खिलाड़ियों का खेलने का मौसल कम नहीं हुआ और पूरे बारिश में

भागते हुए मैच खेला गया इस प्रतियोगिता का पहला सेमीफ इनल मैच गोबरीपाट विरुद्ध अधियारीपारा के मध्य खेला गया। जिसमें गोबरीपाट ने 15-12 के मुकाबले 3 अंको जीत हासिल कर फ इनल में प्रवेश किया दूसरा सेमीफ इनल लखगांभाटा विरुद्ध खरगहना के मध्य खेला गया जिसमें खरगहना ने 18-14 के मुकाबले 4 अंको से जीत दर्ज कर फ इनल में पहुंचा था। इस प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि



अध्यक्ष जिला कबड्डी संघ बिलासपुर जीवन मिश्रा द्वारा अपनी उद्बोधन में कहा कि ओमकारा स्पोर्ट्स क्लब द्वारा प्रतियोगिता को कराने का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी हुई कबड्डी खिलाड़ियों की प्रतिभा को स्कूल गेम्स, ओपन गेम्स, यूनिवर्सिटी गेम्स में अपनी प्रतिभा को सामने लाने के लिए अवसर देना है और आगे कहा कि कबड्डी खेल जीवन में अनुशासन सिखाता है इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि

चैयरेमन राम प्रसाद मिश्रा फ इंडेशन कोटा जीवन मिश्रा, अध्यक्ष ब्लॉक कबड्डी संघ कोटा राजेन्द्र जगत, सरपंच ग्राम पंचायत खेलगांव दरस श्याम, रतनपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष तिरिथ यादव उपाध्यक्ष, आदि लोगों का विशेष सहयोग रहा विजेता टीम गोबरीपाट टीम को प्रथम पुरस्कार 3001 ट्रॉफी 1 द्वितीय पुरस्कार 2001 रु व ट्रॉफी 1 सभी टीमों को विशेष पुरस्कार दिया गया।

एक नजर

घर में काम करने वाली बाई ने की नगदी व सोने के अंगुठी की चोरी

जोहार छत्तीसगढ़-सूरजपुर।



स्थानीय लंकापारा निवासी गौरव महलवाला ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 09 फरवरी 23 को अपने परिजन के साथ घर से बाहर गया था घर में कामवाली बाई ज्ञानमति उर्फ सफना थी जब वापस आकर कमरे में गया तो देखा कि आलमारी में रखा 4 नग सोने की अंगुठी एवं 50 हजार रूपये नगदी नहीं था। कामवाली बाई पर चोरी का संदेह व्यक्त किया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 381 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर आई कल्याण एलिसेला ने मामले का जल्द खुलासा करने के निर्देश थाना प्रभारी सूरजपुर को दिए। थाना सूरजपुर पुलिस ने विवेचना के दौरान संदेही ज्ञानमति को दबिश देकर पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि प्रार्थी के घर के आलमारी से 4 नग सोने की अंगुठी एवं 50 हजार रूपये नगदी की चोरी कर अपने पति अमर सिंह को दी है। जिसके बाद पुलिस ने अमर सिंह को पकड़ा, पूछताछ पर उसने 50 हजार रूपये में से 30 हजार रूपये की स्कूटी खरीदना और 20 हजार रूपये को खर्च कर देना बताया। आरोपियों के निशानदेही पर चोरी का 4 नग सोने की अंगुठी, 1 नग स्कूटी कीमत 70 हजार रूपये का जप्त कर आरोपी ज्ञानमति उर्फ सतना राजवाड़े पति अमर सिंह उम्र 29 वर्ष, अमर सिंह उर्फ अमर देवांगन पिता भीमप्रकाश उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम नेवरा, थाना सूरजपुर को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर लक्ष्मण सिंह धुवें, एसआई सुनीता भायद्वज, प्रधान आरक्षक मोहम्मद तालिब शेख, अदीप प्रताप सिंह, आरक्षक लक्ष्मीनारायण मिर्, राम कुमार नायक, राधेश्याम साहू, महिला आरक्षक चिंता पैकरा सक्रिय रहे।

कला जत्था दल स्थानीय बोली में मिलेट फसलों के फायदें बताकर आमजनों को कर रहे प्रोत्साहित



सुकमा। कलेक्टर श्री हरिस. एस के निर्देशानुसार जिले में कोदो, कुटकी तथा रागी जैसे फसलों को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग कला जत्था के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहा है। कला जत्था दल ग्रामों में जाकर स्थानीय बोली में मिलेट फसलों के फायदें बताकर आमजनों को प्रोत्साहित कर रही है। जिसका प्रारंभ ग्राम पंचायत मुंरपाल से किया गया। यह कला जत्था दल जिले के विभिन्न ग्रामों में जाकर मिलेट फसलों को बढ़ावा देने के लिए आमजनों को प्रोत्साहित करेगी। कृषि विभाग के उप संचालक श्री प्रवीण बघेल ने मिलेट फसलों के लाभों से ग्रामीणों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मिलेट्स फसलों कोदो, कुटकी और रागी पौष्टिक गुणों से भूरूप होती है। यह मिलेट्स ग्लूटेन मुक्त होते हैं।

खेलकूद, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में बढ़ा युवाओं की सहभागिता

जोहार छत्तीसगढ़- रायगढ़।

राज्य में विभिन्न प्रकार के रीति-रिवाज, खेलकूद, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियां हैं। जो राज्य की विविधता को बढ़ाने के साथ उनकी खूबसूरती बयां करती हैं, लेकिन शहरीकरण के बढ़ते प्रभाव से शहर ही नहीं ग्रामीण परिवेश पर भी उनका प्रभाव पड़ा, लिहाजा रीतिरिवाज, पारंपरिक, सांस्कृतिक गतिविधियां धीरे-धीरे दूर होने लगे और इसी को सहजने का बीड़ा उठाया राज्य सरकार की राजीव युवा मितान क्लब योजना ने। आज जिले में लगभग 4500 राजीव मितान क्लब कार्य कर रहे हैं। जो वर्तमान में छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का भी संचालन कर रहे हैं। जहां पारंपरिक खेलों में लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में लगातार राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से नवाचार के साथ युवाओं को सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में सहयोग के साथ सामाजिक कार्यों का सफल संचालन भी किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक एवं पारंपरिक गतिविधियों से जनसामान्य को जोड़ रही राजीव युवा मितान क्लब



राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से छत्तीसगढ़ियां ओलम्पिक



आज युवा न केवल शिक्षा, बल्कि पारंपरिक खेलकूद, गतिविधियां, पर्यावरण संरक्षण जैसे विभिन्न गतिविधियों को ग्रामीण स्तर पर संचालन कर लोगों में जागरूकता के साथ जन सामान्य को उन गतिविधियों में जोड़ने का भी कार्य किया है। इसी का परिणाम है आज जिले के प्रत्येक गांवों में विभिन्न प्रकार के कार्यों के साथ

शासन की योजना ग्रामीण स्तर के लोगों तक पहुंच रही है। इसका यह परिणाम हुआ कि राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से युवाओं को एक मंच मिल रहा है और युवाओं को बेहतर करने का भी मौका मिल रहा है। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देशन में राजीव युवा मितान क्लब अंतर्गत लैलूंगा ब्लॉक में ग्रामीण क्षेत्र में 75 ग्राम पंचायत में 75 मितान

क्लब गठित किये गए हैं। राजीव युवा मितान क्लब के सदस्य प्रेरणादायक गतिविधियों संचालित कर रहे हैं। जिसके तहत खेल कूद, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणजनों में राज्य के मूल खेल को जीवित किया जा रहा है। वहीं सामाजिक गतिविधियों में हैंडपम्प मरम्मत, वृक्षारोपण, आयुष्मान कार्ड में सहयोग, नशामुक्ति, स्कूल

प्रवेश दिलाने में सहयोग, स्वच्छता गतिविधि सहित अन्य कार्यों में सहयोग किया जा रहा है। इसी प्रकार ग्रामीण पूजा, सांस्कृतिक गतिविधि में गणेश पूजन, सरस्वती पूजन रथ यात्रा पर समय-समय पर क्लब द्वारा सहभागिता होती है। राजीव युवा मितान क्लब के सदस्य नदी-नाले के सफाई व शासन की योजनाओं के प्रचार-प्रसार में सहयोगी साबित हो रही हैं। राजीव युवा मितान क्लब कटकलिया के अध्यक्ष भरत सिंह बताते हैं कि राजीव युवा मितान क्लब से जुड़ने के बाद जनपद स्तर में शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाती है। जिसे वे अन्य लोगों को भी जानकारी देते हैं। जनपद सीईओ लैलूंगा वीरेंद्र राय का भी सहयोग महत्वपूर्ण है, जो समय-समय पर गतिविधियों से संबंधित मार्गदर्शन देते हैं। यही कारण है कि लोगों के बीच हमें बेहतर रिसॉन्स मिलता है। कोषाध्यक्ष बेलार सिंह सिदार बताते हैं कि राजीव युवा मितान क्लब एक अच्छे प्लेटफॉर्म है युवाओं को संगठित करने का। आज लोगों को योजनाओं की जानकारी के साथ जनसामान्य को हम संगठित करने का भी कार्य कर

रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का भी आयोजन कर रहे हैं।

वर्ल्ड के माध्यम से विविध गतिविधियों का हो रहा संचालन

एक नजर

उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए 27 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

अनुविभाग खरसिया अंतर्गत विभिन्न 16 निरस्त शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए 27 जुलाई 2023 तक नवीन आवेदन आमंत्रित किया गया है। इच्छुक दुकान संचालक नियत तिथि तक कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, खरसिया, जिला-रायगढ़ में आवेदन जमा कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार खरसिया अंतर्गत ग्राम-बांसमुड़ा, बिजकोट, बड़े जामपाली, चोढ़ा, मुपा, छोटे पंडरमुड़ा, खडगांव, काफ रमार, तेलीकोट, मोहापाली, गीधा, भेलवाडीह, किरितमाल, केवाली, डोमनारा एवं रतनमहारा के राशन दुकान के विवरण में अनियमितता पाये जाने के कारण जारी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। लेकिन संबंधित सहकारी समिति, दुकान संचालक एवं ग्राम पंचायत के द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं पाये जाने के कारण उक्त सहकारी समिति, दुकान संचालक, ग्राम पंचायत को आवेदित दुकान को निरस्त कर दिया गया है एवं नये संचालन हेतु उक्त दुकान को आवेदित किया जाना है। संबंधित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति अथवा ग्राम पंचायत अथवा कार्यशील ऐसे महिला स्व-सहायता समूह जिनका पंजीयन सहायक पंजीयक, फार्म एंड सोसायटी कार्यालय बिलासपुर में 3 माह पुराना हो अथवा वन सुरक्षा समिति एवं अन्य सहकारी समिति, दुकान संचालक अपना आवेदन नियत तिथि तक कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, खरसिया में समूह अथवा समिति के प्रस्ताव की प्रतिलिपि एवं बैंक खाता पासबुक की जमा राशि के प्रति, पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति सहित प्रस्तुत कर सकते हैं।

छात्रावास, आश्रमों में निवासरत विद्यार्थियों के देय शिष्यवृत्ति दर में ह्यूयी वृद्धि

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, रायगढ़ ने जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 से विभागीय आदर्श उ.मा. विद्यालय, गुरुकुल विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर, छात्रावास, आश्रम, विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह आश्रम एवं अनुदान प्राप्त आशासकीय संस्थाओं के छात्रावास, आश्रमों में निवासरत विद्यार्थियों को देय शिष्यवृत्ति की दर एक मीटर में वृद्धि कर अब 1500 रुपये प्रतिमाह किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही पोस्ट मेट्रिक छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों के छात्र भोजन सहाय योजना अंतर्गत भोजन सहाय दर में वृद्धि कर 700 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 1200 प्रतिमाह किया गया है। अतएव जिले में संचालित समस्त विभागीय छात्रावास, आश्रमों में उक्त दर लागू होगी।

जिले में 379.9 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

चालू वर्षा मौसम में रायगढ़ जिले में 19 जुलाई तक 379.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 4.1 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले के रायगढ़ तहसील में 317.4 मिली मीटर, पुसौर में 392.8, खरसिया में 235.4, घरघोड़ा में 269.3, तमनार में 368.6, लैलूंगा में 393.9, मुकडगा में 515.8, धरमजयगढ़ में 452.2, छल में 289.5 एवं कापू में 563.7 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

ईवीएम एवं वीवीपीएटी मशीनों के सुरक्षित रख-रखाव हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जिले में आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 ईवीएम, वीवीपीएटी मशीनों का प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशन के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तारन प्रकाश सिन्हा ने आगामी विधानसभा निर्वाचन में ईवीएम एवं वीवीपीएटी मशीनों का प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने तथा जागरूकता एवं प्रशिक्षण हेतु चिन्हांकित ईवीएम एवं वीवीपीएटी मशीनों के सुरक्षित रख-रखाव हेतु अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रायगढ़ नीलाराम पटेल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

कलेक्टर ने जनचौपाल के माध्यम से सुनी लोगों की समस्याएं

कोरबा। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनचौपाल में आज जिले के दूरस्थ क्षेत्रों से पहुंचे लोगों से कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा ने मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना एवं प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। आवेदकों ने बारो-बारो से कलेक्टर श्री झा के समक्ष अपनी शिकायतें प्रस्तुत कर निराकरण की मांग की। जनचौपाल में आज 134 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें आवेदकों द्वारा स्वास्थ्य इलाज हेतु सहायता, स्वामी आत्मानंद विद्यालय में प्रवेश, आर्थिक सहायता, मुआवजा दिलाने, मजदूरी भुगतान, लंबित राशि का भुगतान, वन अधिकार पट्टा दिलाने, बिजली समस्या संबंधी शिकायतें, शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने, नामांतरण, नक्शा दुरुस्तीकरण, भूमि सीमांकन, राशनकार्ड, जाति प्रमाण पत्र, रोजगार प्रदाय की मांग जैसे अन्य आवेदन शामिल हैं।

स्वीप अंतर्गत दादर में मतदाताओं को किया गया जागरूक

कोरबा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा के निर्देशन में जिला नोडल स्वीप मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप के मार्गदर्शन में श्री मनोज खांडे उप जिला निर्वाचन अधिकारी के सहयोग से ग्राम दादर में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। मतदाताओं को बताया गया कि लोकतंत्र के निर्माण में एक-एक वोट का महत्व है। मतदाताओं को अपने अधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। लोगों को ईवीएम मशीन और व्हीव्हीपेट के संबंध में जानकारी दी गई। मतदाता जागरूकता अभियान में ग्रामीणजन, स्कूली बच्चों, पालकाग्रण, शिक्षक-शिक्षिकाएं, प्राचार्य अनिल रात्रे, स्वीप कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सभी ने अच्छे मतदाता बनने का संकल्प लिया।

स्वीप गतिविधियों के तहत स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए कलेक्टर ने दिलाई शपथ

जोहार छत्तीसगढ़- सारंगढ़-विलाईगढ़।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. फ रिहा आलम सिद्दीकी ने आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को स्वीप गतिविधियों के तहत स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए वचन दिलाई। कलेक्टर ने अधिकारियों-कर्मचारियों को आगामी निर्वाचन



में लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए लोकतांत्रिक मर्यादा बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा बनाए रखते हुए किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का उपयोग करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर स्वीप के जिला नोडल अधिकारी हरिशंकर चौहान एवं संयुक्त कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

घरघोड़ा में स्कूली बस को ट्रक ने मारी टक्कर, कलेक्टर सिन्हा ने तत्काल शुरू कराया राहत एवं बचाव कार्य

बस में थे 30 बच्चे, 5 बच्चों को बेहतर उपचार के लिए किया गया रायगढ़ रेफर

जोहार छत्तीसगढ़- रायगढ़।

घरघोड़ा के करीब कंचनपुर में आज एक स्कूली बस को उल्टी दिशा में आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। बस में 30 स्कूली बच्चे सवार थे, जो स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौट रहे थे। कलेक्टर सिन्हा ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर कलेक्टर राजीव पाण्डेय और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के साथ डॉक्टरों की टीम को तुरंत घटनास्थल पर रवाना किया तथा घायलों को हर संभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए। प्रशासन



और पुलिस की टीम ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अपर कलेक्टर राजीव पाण्डेय ने बताया कि सेंटान्स इंग्लिश मीडियम स्कूल की बस घरघोड़ा से 30 स्कूली बच्चों को लेकर बरघाट बरौद क्षेत्र में छोड़ने जा रही थी। ड्राइवर और परिचारिका के साथ बस में कुल 32 लोग सवार थे।

धरमजयगढ़ रोड में कंचनपुर बायपास के पास बरौद की ओर से सामने से आ रही ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। दुर्घटना में चोटिल 5 बच्चों को बेहतर उपचार के लिए रायगढ़ रेफर किया गया है। बस ड्राइवर और परिचारिका के लिए बिलासपुर और ट्रक चालक को मेडिकल



खलासी चला रहा था ट्रक, पुलिस ने लिया हिरासत में

कॉलेज रायगढ़ रेफर किया गया है। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

सदानंद कुमार ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल-चाल जाना। कलेक्टर सिन्हा ने अस्पताल प्रबंधन को घायलों के बेहतर उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। बस में सवार बाकी 25 बच्चों का उपचार घरघोड़ा के स्वास्थ्य केंद्र

में जारी है। जिनमें से अधिकांश बच्चों की अस्पताल से छुट्टी हो गई है। शेष बच्चों को स्क्रिनिंग के बाद शाम तक छुट्टी दे दी जाएगी। ट्रक चालक जो मौके से भाग गया था उसे हिरासत में लेकर अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। घरघोड़ा एसडीएम ऋषा ठाकुर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में जो बात सामने आई है उसके अनुसार ट्रक खलासी चला रहा था, जो कि नशे में था और रॉज साइड में ट्रक चलाकर स्कूली बस को टक्कर मार दी। जबकि ट्रक ड्राइवर बाजू में बैठा था। दुर्घटना के बाद दोनों मौके से फरार हो गए थे, जिसे पुलिस ने मामला दर्ज कर हिरासत में ले लिया है।

सघन मिशन इंद्रधनुष के सफल संचालन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

जोहार छत्तीसगढ़- रायगढ़।

सीएमएचओ डॉ. मधुलिका सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में आज आरोग्य सभाकक्ष में सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 के सफल संचालन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस मौके पर जिला टीकाकरण अधिकारी भानु प्रताप पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि नियमित टीकाकरण के सुदृढीकरण तथा डिजिटल लाईजेशन हेतु भारत सरकार द्वारा यू-विन पोर्टल के माध्यम से मिशन इंद्रधनुष अंतर्गत प्रथम चरण 7 से 12 अगस्त, द्वितीय चरण 11 से 16 सितंबर एवं तृतीय चरण 9 से 14 अक्टूबर 2023 तक तीन चरणों में चलाया जायेगा। जिसके अंतर्गत 0 से 5 वर्ष तक के छोटे हुए बच्चे का टीकाकरण किया जायेगा। इस अभियान की तैयारी के लिये मितानि के द्वारा घर-घर भ्रमण



कर छोटे हुए बच्चे एवं गर्भवती माताएं जिनको टीका नहीं लग पाया है उनको चिन्हांकित कर हेडकाउन्ट सूची तैयार की जायेगी। जिसके आधार पर छोटे हुए लक्ष्य प्रशिक्षण एवं क्षेत्रों में 100 प्रतिशत टीकाकरण सूक्ष्म कार्ययोजना बनायी जायेगी। जमीनी स्तर के मोबालाईजेशन तथा वेक्सीनेटर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा। भविष्य में टीकाकरण का डिजिटलाईजेशन से टीकाकरण सत्रों का नियोजन, हितग्राहियों की सूचना एवं टीकाकृत हितग्राहियों का सर्टिफिकेट भी ऑनलाइन

मिल पाएगा। उक्त प्रशिक्षण में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. भानु प्रताप पटेल तथा वी.सी.सी.एम कोल्डचेन मैनेजर पंकज मिश्रा द्वारा दिया गया। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण पश्चात डब्ल्यूएचओ डॉ. प्रशांत, समस्त खंड चिकित्सा अधिकारी, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक, स्वास्थ्य शिक्षक उमेद पटेल, बीईटीओ, सहायक ग्रेड-3, जिला मोबालाईजेशन अधिकारी, जिला समन्वयक मितानिन, हॉस्पिटल अधीनस्थ कंसलटेंट सहित अन्य मोबालाईजर उपस्थित रहे।

परिवार के विचारों का प्रतिनिधित्व करते बच्चे-सुनील रामदास

जोहार छत्तीसगढ़- रायगढ़।

मीडिया समूह के प्रतिभा सम्मान समारोह में कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में सभा को संबोधित करते हुए, समाजसेवी सुनील रामदास ने कहा कि बच्चों में प्रतिभाओं का विकास समाजिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि से होती है।

हमें अक्सर देखने को मिलता है कि गरीब परिवारों से भी बहुत प्रतिभावान बच्चे निकलते हैं। उसके पीछे उसके परिजनों द्वारा दिया गया दिशा निर्देश कार्य कर रहा होता है। मेरे कहने का मूल अर्थ यह है कि परमात्मा हर बच्चे में अलग प्रकार की प्रतिभा देता है। लेकिन जिस बच्चे के परिजन या समाज के किसी व्यक्ति द्वारा



उसकी पहचान करके उस बच्चे को उस दिशा में कार्य करने के लिए मार्गदर्शित किया जाता है। तो वही बच्चे उस क्षेत्र में आगे चलकर समाज को अपनी प्रतिभा का लाभ पहुंचाते हैं। वहीं बहुत बच्चे ऐसे भी होते हैं। जिनके पास प्रतिभा तो होती है। किन्तु अवसर न मिलने के कारण भी प्रतिभाएं स्थानीय स्तर पर दम तोड़ देती हैं। इसलिए मेरा मानना है कि प्रतिभाओं को उचित स्थान देने के लिए समाजिक रूप से पहल किया जाना चाहिए। साथ ही बच्चे में किस क्षेत्र की प्रतिभा



है। उसकी पहचान पारिवारिक रूप से किया जाना आवश्यक है। तब ही उस बच्चे को लिपि संभावनाओं की उपलब्धता हेतु

प्रतिभा के निखार के लिए कार्य किया जाना प्रशंसा योग्य है। सारंगढ़ में सुनील रामदास के हाथों किया गया पौधरोपण

रामदास द्रौपदी फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे पौधरोपण व पर्यावरण संरक्षण के दिशा में नये जागरूकता अभियान के तहत सारंगढ़ में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर सुनील रामदास ने सारंगढ़ स्टेट बैंक के सामने तुर्की तालाब गार्डन में पांच फुट से ऊपर के पौधे रोपित किए। वहीं पर्यावरण संरक्षण जागरूकता रथ से सारंगढ़ में पौधे वितरित किए गए। इस अवसर पर महेन्द्र अग्रवाल, पत्रकार आनंद शर्मा, शेख रात्रे, जीवन रात्रे, रूसन कुमार सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे। वहीं रामदास द्रौपदी फाउंडेशन द्वारा संचालित, इस अभियान के सहयोगी रामनंदन यादव द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

सत्यप्रेम की कथा को मिला छुट्टी का फायदा



बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की सत्यप्रेम की कथा बाकी फिल्मों को टक्कर देती नजर आ रही है। फिल्म अपनी रिलीज के तीसरे हफ्ते में टिकट खिड़की पर टिकी हुई है तो 72 हूँ और नीयत का 2 हफ्ते में ही पता साफ हो गया है। इसके अलावा हॉलीवुड फिल्म इम्पासिबल - डेड रेकनिंग पार्ट वन शानदार प्रदर्शन कर रही है। आइए जानते हैं रविवार को किस फिल्म को छुट्टी का फायदा मिला है। समीर विद्वांस की सत्यप्रेम की कथा में कार्तिक और कियारा की जोड़ी दूसरी बार साथ में नजर आई है। फिल्म ने शुरुआती दिनों में बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था तो बाद में इसकी कमाई घटती-बढ़ती जा रही थी।



सच बता मुझे का सबसे अच्छा हिस्सा टोकियो की शूटिंग था: शर्ली सेतिया

इल्जाम, आया ना तू, डेंजर जैसे हिट गानों के लिए जाने जाने वाले सिंगर-एक्ट्रेस अर्जुन कानूनगो ने सिंगर-एक्ट्रेस शर्ली सेतिया के साथ मिलकर सच बता मुझे नाम से एक और नया ट्रैक जारी किया है।

सच बता मुझे अर्जुन के एल्बम इंडस्ट्री 2 का दूसरा ट्रैक है, प्रसारित होने वाला पहला ट्रैक 'डेंजर' था। सच बता मुझे एक रोमांटिक गाना है और इसमें दो प्रेमियों की एक-दूसरे के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त करने और एक साथ अपनी यात्रा की खोज की कहानी दिखाई गई है। गाने को खूबसूरत लोकेशन पर शूट किया गया है। इस गाने को बनाने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अर्जुन कानूनगो ने कहा, सच बता मुझे एक खास गाना है और निश्चित रूप से इसे बहुत प्यार से बनाया गया है। यह रोमांस का मौसम है और मैंने सोचा कि इस गाने को दर्शकों के सामने लाने का इससे बेहतर समय क्या हो सकता है। शर्ली के साथ सहयोग करना एक प्यारा अनुभव था और हमें उम्मीद है कि दर्शक सच बता मुझे का आनंद लेंगे और उसे पसंद करेंगे। शर्ली के लिए, गाने पर काम करने का सबसे अच्छा हिस्सा टोकियो में म्यूजिक वीडियो की शूटिंग थी, जिसमें कू पूरी तरह से अपने काम के लिए समर्पित था। शर्ली ने कहा, अर्जुन के साथ सच बता मुझे पर काम करना मेरे लिए एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। हमने कुछ बहुत खास बनाया है, और अपने फैंस के लिए सबसे प्रामाणिक अनुभव लाने के लिए भारत में और एक बिल्कुल नए देश में घंटों कड़ी मेहनत की है। सबसे अच्छे और सबसे मेहनती लोगों के साथ टोकियो में शूटिंग करना निश्चित रूप से मेरे लिए इस एल्बम को बनाने का सबसे अच्छा हिस्सा रहा। सच बता मुझे यह बेहद सरल गाना है, जिसे आप बार-बार सुनना चाहेंगे। कुल दस गानों वाला, इंडस्ट्री 2 एल्बम अर्जुन कानूनगो द्वारा लिखा, गाया और निर्मित किया गया है और जल्द ही रिलीज होने की उम्मीद है।

मिरर के सामने सेल्फी लेते हुए सोफिया अंसारी ने खोली स्कर्ट, फोटो इंटरनेट पर हुई लीक!

इंटरनेट मीडिया स्टार सोफिया अंसारी आए दिन अपनी हॉट और बोल्ड लुक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस के बीच लाइमलाइट बटोरती रहती हैं। सोफिया हर बार अपनी तस्वीरों से सोशल मीडिया पर बवाल मचा देती हैं।

हाल ही में उनकी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर होते ही तेजी से फैंस के बीच चर्चाओं में आ गई हैं। सोफिया अंसारी आए दिन अपनी पोस्ट के जरिए फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक डांस वीडियो और बोल्ड फोटोज इंस्टाग्राम पर अपलोड होते ही लोगों के बीच ट्रेंड करने लगता है। हाल ही में सोफिया अंसारी की लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनका हद से ज्यादा बोल्ड लुक देखकर फैंस एक बार फिर सोफिया के हुस्न के कायल हो गए हैं। सोफिया अंसारी ने इस फोटो में मिरर के पास सेल्फी लेते हुए बेहद ही सेक्सी तस्वीर ली है। मशहूर मॉडल सोफिया ने अपनी स्कर्ट के बटन खोलकर बेहद सजिले अंदाज में पोज दिए हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं सोफिया अंसारी ने ब्रा की स्ट्रैप खिसकते हुए क्लीवेज फ्लॉन्ट करते हुए किलर लुक और पाउट देते हुए तस्वीरें क्लिक करवाते हैं। सोफिया अंसारी की इन तस्वीरों पर लोग लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए जमकर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।



वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में कियारा आडवाणी का प्रवेश, वॉर-2 में आएंगी नजर

कियारा आडवाणी आज कियारा।

भारत की सबसे बड़ी अभिनेत्रियों में से एक हैं और अफवाहें हैं कि वह प्रसिद्ध वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में प्रवेश कर रही हैं। कियारा को जाहिर तौर पर आदित्य चोपड़ा ने अपनी टेंटपोल स्पाई थ्रिलर वॉर 2 के लिए चुना है जिसमें ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर भी हैं। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं, जिन्हें हिंदी सिनेमा में बड़ी ब्लॉकबस्टर देने के लिए जाना जाता है।

इस फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा किया, जहां तक वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स और वॉर 2 का विचार किया जाता है,



आडवाणी टीम के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान जैसी सर्वकालिक ब्लॉकबस्टर फिल्मों की एक लीग है और इस फ्रैंचाइजी से आने वाली प्रत्येक फिल्म से उम्मीदें

आसमान छू रही हैं। उन सुपरस्टार्स को देखें जिन्होंने इस ब्रह्मांड की शोभा बढ़ाई है। यह भारत में सबसे प्रतिष्ठित फिल्म बैनर है जिसमें देश के सबसे बड़े और बेहतरीन सुपरस्टार हैं।

कियारा इस समय शीर्ष पर हैं और आदित्य चोपड़ा उसे वॉर 2 के अपने बैनर के साथ जोड़ रहे हैं, जो इस बात का संकेत है।

सूत्र कहते हैं, वॉर 2 में अभी सबसे हॉट कास्ट है। इसमें ऋतिक रोशन, एनटीआर जूनियर और अब कियारा आडवाणी जैसे तीन सुपरस्टार हैं।

जवान से शाहरुख ने दिखाई नयनतारा की पहली झलक, एक्शन अवतार में दिखाई अभिनेत्री

शाहरुख खान की फिल्म जवान से जुड़ी आए दिन नई जानकारी सामने आ रही है। फिल्म

का टीजर रिलीज होने के बाद से इसकी रिलीज को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। शाहरुख के प्रशंसक तो उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म से शाहरुख की झलक तो सब देख ही चुके हैं और अब इससे उनकी हीरोइन नयनतारा का पहला पोस्टर भी जारी हो चुका है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

शाहरुख ने नयनतारा की झलक साझा कर लिखा, वह तुफान से पहले आने वाली गडगड़ाहट है। उनके प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की तरफ से किए गए पोस्टर में लिखा गया, इन पर फर का कोई रंग नहीं। नयनतारा का यह बिंदस लुक आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है, जिसमें वह बंदूक थामे नजर आ रही हैं।



शरमन जोशी और साहिल खान दो दशक बाद फिर आए साथ, बड़े पर्दे पर मचाएंगे धमाल

बॉलीवुड अभिनेता शरमन के बारे में

जोशी और साहिल खान ने अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। दोनों स्टारडल (2001) और इसके सीकवल एक्सक्यूज मी (2003) में साथ नजर आए थे, जिसमें उनके अभिनय ने दर्शकों को हंसा-हंसा कर लोटपोट कर दिया। अब लगभग 2 दशक के बाद यह धमाकेदार जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार है। शरमन और साहिल जल्द एक फिल्म में नजर आएंगे, जिससे नई अभिनेत्री को लॉन्च किया जाएगा।

ट्रेड एक्सपर्ट तरण आदर्श ने दिव्यर पर पोस्ट साझा कर फिल्म



जानकारी दी है। उन्होंने लिखा कि इस फिल्म का निर्देशन सैम खान कर रहे हैं, जिन्होंने इसकी कहानी भी लिखी है, वहीं पटकथा और संवाद मिलाप जावेरी ने लिखे हैं। हितेश खुशलानी द्वारा निर्मित और भुवि खुशलानी, जफर मेहंदी और ईशान दत्ता द्वारा सह-निर्मित

फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। कहा जा रहा है कि इसकी शूटिंग बड़े पैमाने पर अबू धाबी में होगी।

शरमान ने कहा, साहिल और मैंने पहले जो फिल्मों की उनमें स्क्रीन पर

हमारे बीच की केमिस्ट्री को काफी सराहना मिली है। वह हमारी पहली व्यावसायिक हिट थी, जिसे देखकर ही राजकुमार हिरानी ने मुझे 3 इंडियट्स के लिए कास्ट किया था। साहिल ने कहा, सैम को मैं काफी समय से जानता हूँ और उनके साथ काम करने के लिए बेहद खुश हूँ।

खेल

एशिया कप में इंडिया-पाकिस्तान मैच 2 सितंबर को:श्रीलंका में होगा मुकाबला

इंडिया के ग्रुप में PAK के अलावा नेपाल; ड्राफ्ट शेड्यूल तैयार

3 बार भिड़ सकते हैं भारत-पाकिस्तान

अगर भारत और पाकिस्तान दोनों ही टीमों ने सुपर-4 स्टेज में क्वालिफाई कर लिया तो 10 सितंबर को कैंडी में दोनों के बीच सुपर-4 स्टेज का मैच होगा। वहीं अगर दोनों टीमों सुपर-4 स्टेज के भी टॉप पर रहें तो इनके बीच ही 17 सितंबर को फाइनल मुकाबला भी खेला जा सकता है। इस तरह रूप स्टेज, सुपर-4 और फाइनल मिलाकर भारत-पाकिस्तान के बीच 3 मैच देखने को मिल सकते हैं।

ACC फाइनल करेगी एशिया कप का शेड्यूल

PCB के साथ एशियन



क्रिकेट कार्गिसिल (ACC) ने डिआइड किया था कि एशिया कप हाइब्रिड मॉडल में होगा। टूर्नामेंट के 4 मैच पाकिस्तान और 9 मुकाबले श्रीलंका में होंगे। अब श्रीलंका बोर्ड के साथ चर्चा कर

PCB ने टूर्नामेंट का लेटेस्ट ड्राफ्ट शेड्यूल ACC को भेज दिया है। माना जा रहा है कि इसमें कुछ और बदलाव के बाद ACC जल्द ही शेड्यूल को फाइनल कर देगी।

लाहौर में होने थे पाकिस्तान के सभी मुकाबले

PCB के पूर्व चेयरमैन नजम सेठी ने एशिया कप का पहला ड्राफ्ट शेड्यूल ACC को भेजा था। इसमें सभी मुकाबले लाहौर में ही होने थे, लेकिन नए चेयरमैन जका अशरफ ने मुल्तान को भी शामिल कर लिया। मुल्तान में ओपनिंग मुकाबला होगा, जबकि 3 मैच लाहौर में होंगे। इनमें सुपर-4 स्टेज का एक मैच भी शामिल रहेगा।



भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का पहला मुकाबला 2 सितंबर को श्रीलंका के कैंडी शहर में होगा। ESPN की रिपोर्ट अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने नया ड्राफ्ट शेड्यूल छप को भेजा है। ओपनिंग मैच पाकिस्तान और नेपाल के बीच मुल्तान में 30 अगस्त को खेला जाएगा। फाइनल श्रीलंका के कोलंबो शहर में 17 सितंबर को होगा। वनडे एशिया कप में 6 टीमों हिस्सी ले रही हैं। टीम इंडिया नेपाल और पाकिस्तान के साथ ग्रुप-ए में हैं। वहीं ग्रुप-बी में श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान हैं।

कोहली कल 500वां इंटरनेशनल मैच खेलने वाले चौथे भारतीय बनेंगे

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच कल से शुरू हो रहा दूसरा टेस्ट मैच भारतीय स्टार विराट कोहली के करियर का 500वां इंटरनेशनल मुकाबला होगा। विराट इस माइलस्टोन तक पहुंचने वाले भारत के चौथे और दुनिया के 10वें खिलाड़ी बनेंगे। विराट से पहले 6

500 क्लब के नए बॉस कोहली

499: मैच
25461: रन
75: 100



विराट कोहली के आंकड़े

रन बनाने में सबसे आगे, तेंदुलकर के बराबर शतक विराट कोहली 500 मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बेटर बन जाएंगे। वे 499 मैचों में ही सचिन तेंदुलकर, रिकी पॉटिंग, महेशा जयवर्धने, सनथ जयसूर्या और जैक कैलिस जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को पीछे छोड़ चुके हैं। कोहली अब तक 25,461 रन बना चुके हैं। उन्होंने 53.48 के एवरेज से इतने रन बनाए, जो कि अन्य दिग्गजों से ज्यादा है। यहां तक कि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पॉटिंग ने भी 50 मैचों में 25,035 रन बनाए थे।

भारत के शटलर सात्विक साईराज ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

565 किमी प्रति घंटे की स्पीड से स्मैश हिट लगाया, दस साल बाद तोड़ा रिकॉर्ड

भारत के स्टार शटलर सात्विक साईराज रंकीरेड्डी ने बैडमिंटन में मॅस प्लेयर द्वारा सबसे तेज स्मैश हिट का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने 565 किमी प्रति घंटे की स्पीड से स्मैश लगाया। सात्विक ने मलेशियाई खिलाड़ी टैन बून हेओंग का रिकॉर्ड तोड़ा। हेओंग ने मई 2013 में 493 किमी प्रति घंटे की स्पीड से स्मैश हिट लगाया था।

सात्विक मॅस डबलस इवेंट में चिराग शेठी के साथ टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हैं। सात्विक ने चिराग के साथ हाल ही में इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 जीता था।

जापान में बनाया रिकॉर्ड

सात्विक का स्मैश जापान के



सैतामा शहर में योनेक्स फेक्ट्री जिम्नेजियम में कंडक्ट कराया गया। जहां यह रिकॉर्ड बना। बैडमिंटन इंडिपेंडेंट कंपनी योनेक्स ने कहा कि, हमें यह बताते करते हुए गर्व हो रहा है कि योनेक्स बैडमिंटन एथलीट, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और टैन पली ने सबसे फास्ट मैस और

विमेंस बैडमिंटन हिट के लिए नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। मलेशिया की टैन पली ने 438 किमी प्रति घंटे की स्पीड के साथ सबसे फास्ट विमेंस बैडमिंटन हिट का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया। टैन पली ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में मिक्ड डबलस और विमेंस डबलस में गोल्ड जीता था।

एक नजर टेबल टेनिस खिलाड़ी हरमीत देसाई ने उठाए सिलेक्शन पर सवाल

नई दिल्ली। भारत के टॉप टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शामिल हरमीत देसाई ने एशियन गेम्स के लिए हुए भारतीय टेबल टेनिस टीम के सिलेक्शन पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि उन्हें हांगझोउ एशियन गेम्स की सिंगल्स कैटेगरी से गलत तरीके से बाहर कर दिया गया है।

हरमीत जकार्ता एशियन गेम्स में 60 साल बाद मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। वे हरमीत पिछले 10 साल से भारतीय टेबल टेनिस टीम के एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उन्हें एशियाई खेलों की टीम में चुना गया है, लेकिन वे केवल टीम और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में ही भाग लेंगे।

हरमीत ने न्यूज एजेंसी PTI से कहा- यह मेरा तीसरा एशियाड है और चयन मानदंडों में घरेलू और इंटरनेशनल दोनों प्रदर्शन शामिल हैं। इसके अनुसार मुझे टीम और युगल के साथ एकल खेलने का भी मौका मिलना चाहिए। सूरत के इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने शानदार प्रदर्शन किया था जिसके बाद मंगलवार को वह भारत के सर्वोच्च रैंक वाले पुरुष एकल खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले, मुक़ेबाज अमित पंधाल ने मुक़ेबाजी टीम के सिलेक्शन पर सवाल उठाए थे और कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

विम्बलडन फाइनल में रैकेट तोड़ने पर जोकोविच पर जुर्माना

इनामी राशि से काटे जाएंगे लगभग 6 लाख 56 हजार रुपए

23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच पर विम्बलडन

फाइनल के दौरान अपना रैकेट तोड़ने के लिए भारी जुर्माना लगाया गया है। जोकोविच पर (8,000 डॉलर) लगभग साढ़े छह लाख का जुर्माना लगाया गया है। उन पर यह जुर्माना इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब ने लगाया है। रविवार को सर्बियन स्टार नोवाक जोकोविच और स्पेन के कार्लोस अल्कारेज के बीच विम्बलडन 2023 का फाइनल मुकाबला खेला गया। मुकाबले के दौरान जोकोविच ने अपना रैकेट नेट पोस्ट पर मारकर तोड़ दिया था। इसके बाद अंपायर ने तुरंत जोकोविच के खिलाफ कोड उल्लंघन के लिए चेतावनी जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक उन पर लगा यह फाइन उनके रनर-अप चेक से काट लिया जाएगा।

अल्कारेज को मिले 24.49 करोड़ रुपए

विम्बलडन में जेंटलमॅस सिंगल्स चैंपियन अल्कारेज और लेडीज सिंगल्स चैंपियन मार्केटा वॉद्रोसोवा को करीब 24.49 करोड़ रुपए मिले। रनर-अप जोकोविच को 12.25 करोड़ रुपए की प्राइज मनी दी गई। पिछले साल मेंस और विमेंस चैंपियन को करीब 20.85 करोड़ रुपए मिले थे।



घरघोड़ा बाईपास मार्ग में स्कूल बस व ट्रेलर के बीच भीषण हादसा

20 से 22 बच्चे चोटिल दो की हालत गंभीर चार बच्चों को रायगढ़ एक को बिलासपुर रेफर किया गया

जोहार छत्तीसगढ़-
घरघोड़ा

घरघोड़ा धरमजयगढ़ मुख्य मार्ग फि र सना खून से टेरम रूमकेरा बरौद कालरी कुडूमकेला के बच्चों को लेकर जा रही स्कूल बस को बेलगाम ट्रेलर ने सामने ठोकर मार दी हादसा इतना जबरदस्त था कि बस के सामने परखच्के उड़ गए इस दुर्घटना में बस के ड्राइवर का आधा हिस्सा स्टेरिंग के नीचे फंस गया आनन-फानन में आस पास लोगों ने स्कूल बच्चों को नीचे उतारा 112 को डायल कर थाना सुचना दी, प्रत्यक्षदर्शी ने बताया हादसा जबरदस्त थी घरघोड़ा स्कूल से भरी बस अपने रफ्तार से आ रही थी ठीक विपरित दिशा बरौद खदान की ओर तेज रफ्तार से ट्रेलर आ रही थी जो सड़क से सटकर किनारे में किसी कैलाश नाम के व्यक्ति का ट्रेलर यार्ड या डिपो जैसा बनाकर रखा है जहां रोजाना 20.25 ट्रेलर का आना जाना लगा रहता हैए बताए अनुसार उस जगह से अंदर से ठीक एक ट्रेलर बाहर निकला था जिसके कारण वहां पांटे गये बजरे गिट्टी डस्ट का फुमार रोड़ पर उड़ रही थी जिसके कारण ट्रेलर वाले ने बस को नही देखा और तेज रफ्तार से मोड़ते हुए बस को ठोकर मार दी। बस अपने साइड पर जा रही थी वहीं ट्रेलर को विपरित लत दिशा में मोड़ना था फिर भी रफ्तार धीमा नहीं किया, जिसके कारण



ट्रेलर ड्राइवर के साथ मालिक व सड़क पर डिपो संचालक पर एफआईआर करने की मांग परिजन कर रहे

बेगुनाह नन्हे मासुम बच्चों के खून से बस लथपथ हो गई। घरघोड़ा बाजार होने के कारण आज सड़क पर राहगीरों की आना जाना अधिक रहती है, राहगीरों ने बस से बच्चों को निकाला इतने में ट्रेलर ड्राइवर लहुलुहान होकर ट्रेलर छोड़ भाग गया, बच्चों की हालात काफी खराब थी शोर सराबरे चीख पुकार के बीच जैसे-तैसे कर राहगीरों ने निजी वाहनों से अस्पताल भेजने का प्रयास किया। समय पर 112 वाहन घटना स्थल पर पहुंची और बच्चों को बस से निकाल कर



अस्पताल पहुंचाया गया बच्चों की संख्या अधिक होने से मौके पर त्राहि त्राहि मच गई थी। जैसे ही एम्बुलेंस पहुंचा बच्चों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने में लगा रहा घटना स्थल से अस्पताल की दुरी लगभग डेढ़ किलोमीटर ही है। कम दुरी होने के कारण घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार मिल गया। इस कारण दहशत में जो बच्चे उरको कुछ हद तक आराम मिला। इस हादसे में ट्रेलर ने बस को भीषण रूप से ठोकर मारी थी जिससे बस के अंदर का सभी



सीट जगह से घिसकर दुर हो गये थे। बच्चे एक दुसरे के उपर छिटकर गिरे हुए थे। हादसा स्थल पर बस और ट्रेलर को देखने पता चलता है कितना भीषण टक्कर रहा होगा दोनों वाहन एक दुसरे चिपक हुए थे बस का सामने इंजन सहित लगभग दो मीटर अंदर धंस गया थाए स्टेरिंग बाक्स के साथ ड्राइवर अंदर फंस हुआ था जिसको कटर से पार्स काट गंभीर स्थिति में जहां जिम्मेदार लोग अस्पताल पहुंच रहे थे वहीं दुसरी तरफ एएसईसीएल एनटीपीसी जैसे बड़े संस्थानों के

एंबुलेंस के लिए घायल इंतजार करते रहे, गैर जिम्मेदाराना रैच, के लिए लोग कोसते नजर आये, एक ओर रायगढ़ से जिला स्वास्थ्य अधिकारी के साथ अधिकारी पहुंच चुके थे। वहीं इन उद्योगों का एंबुलेंस नहीं पहुंच पाया यह दुर्भाग्यपूर्ण है। इस हादसे में मुख्य रूप से ट्रेलर की गलती के साथ साथ ट्रेलर मालिक का भी बनता है जो बिना फि टनेस के गाड़ियों को मुख्य मार्ग पर चलता रहते हैं बिना अनुभव के ड्राइवर को भारी भरकम ट्रेलर चलाने दे रहेए सड़क किनारे बने यार्ड की अनुमति किसने दिया।

घरघोड़ा से लेकर जामपाली तक ढाबे दुकान ट्रांसपोर्टों के आफिसों के सामने बेतरतीब से ट्रेलर खड़ी कर दुर्घटनाओं को न्यौता दे रहे मुख्य मार्ग होने से खदानों से रोजाना हजारों भारी वाहनों का आना जाना लगा रहता है। ट्रेलरें सड़क किनारे बिना नियम से बेतरतीब से खड़े हैं है जिम्मेदार अधिकारी यह सब देख कर अंजान करते हैं जब कभी इस तरह का बड़ा हादसा होता है तब नियम कानून याद आता है। जबकि इन ट्रकों ट्रेलर को हर दिन जांच करना चाहिए सड़क किनारे आफि सों ढाबे दुकान पर खड़ी ट्रेलर को चलाने काटने की जरूरत है साथ ही ट्रेलर मालिकों और आफि स ढाबे संचालक पर फ इन की कार्रवाई लगातार करनी चाहिए।

ई.व्ही.एम.-वीवीपैट मशीनों का प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छ.ग.

रायपुर के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा आम निर्वाचन-2023 प्रयोजनार्थ ई.व्ही.एम. वीवीपैट मशीनों के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम हेतु ई.व्ही.एम. वीवीपैट मशीनों का मोबाइल प्रदर्शन वैन एवं ईवीएम प्रदर्शन केंद्र के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाता है। जिसके तहत 18 जून 2023 को मोबाइल प्रदर्शन वैन के माध्यम से जशपुर विधान सभा अंतर्गत बोकी, बरगांव एवं नारायणपुर में जागरूकता कार्यक्रम किया गया। मोबाइल डेमोंस्ट्रेशन वैन के माध्यम से 251 लोगों को



ई.व्ही.एम.-वीवीपैट की जानकारी देकर जागरूक किया गया तथा तहसील कार्यालय में ईडीसी सेंटर के माध्यम से ई.व्ही.एम. एवं वीवीपैट के संबंध में जन सामान्य को जागरूक किया गया।

फैमली कांवाडिया संघ 22 जुलाई को होगा रवाना



जोहार छत्तीसगढ़-
खरसिया।

फैमली कांवाडिया संघ खरसिया प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 90 से अधिक कांवाडिया बंधुओं के साथ 22 जुलाई को अशोक अग्रवाल पत्रकार, सुनील बंसल एवं सुभाष पणु ठेकेदार के नेतृत्व में साउथ बिहार एक्सप्रेस से रवाना होंगे। फैमली कांवाडिया संघ खरसिया का यह लगातार 35वां वर्ष है। जिसमें खरसिया के

अलावा रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, चांपा, नैला, अंबिकापुर, लैलूंगा, पथलगांव, कांसाबेल, घरघोड़ा, रायगढ़, झारसगुड़ा एवं बरगढ़ से बोल बम कांवाडिया भक्त शामिल होंगे। अशोक अग्रवाल पत्रकार ने बताया कि इस वर्ष हमारे कांवाडिया संघ के साथ छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध भजन गायक अभिषेक अग्रवाल मिजिजियन एवं साउण्ड सिस्टम के साथ बाबा के भजनों से सभी कांवाडिया बंधुओं को नचाने

उपस्थित रहेंगे। हमारे सभी बम साथी सुल्तानगंज से गंगाजल उठाकर लगभग 100 किमी की यात्रा बोल बम-बोल बम के नारे के साथ पूरी करते हैं और बाबा बैद्यनाथ का गंगा जल से अभिषेक करते हैं। इसके पश्चात सभी बाबा बासुकीनाथ धाम जाकर भी जल चढ़ाते हैं। खरसिया क्षेत्र से अनेकानेक बाबा के भक्त विभिन्न दलों के माध्यम से जाकर प्रत्येक वर्ष जल चढ़ाते हैं और बाबा बैद्यनाथ अपने सभी भक्तों की

मनोकामना पूर्ण करते हैं। पवित्र श्रावण मास में चारो ओर बोल बम के नारों की धूम मची हुई है। हर कोई भक्त कही न कही सोमवार के दिन बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ा कर प्रसन्न करता है एवं अपने मनोरथ पूर्ण करवाता है। इस वर्ष भी बाबाधाम के साथ-साथ अमरनाथ, घोघड़ बाबा, तुरीधाम एवं सिद्धेश्वर महादेव बरगढ़ में जल चढ़ाने वालों की लम्बी कतारें देखने को मिल रही है।

चिरमिरी वासियों को पढ़ा देने की रुकी कार्यवाही को आगे बढ़ाया जाय-डोमरू रेड्डी



जोहार छत्तीसगढ़-
कोरिया।

एसईसीएल कोयालंचल शहर चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र के निवासियों को उनके वर्षों पुराने घरों एवं दुकानों का मालिकाना हक दिलाने के लिए निरन्तर प्रयासरत रहने वाले नेता पूर्व महापौर के डोमरू रेड्डी ने एमसीबी जिले के कलेक्टर नरेन्द्र दुग्गा से मुलाकात कर, अपने शहर के स्थायित्व के लिए एक लम्बे एवं योजनाबद्ध योजना के तहत अपने कार्यक्रम को आज भी जारी रखा है। इस क्रम में उन्होंने राज्य शासन को एसईसीएल के कोयला निकाल चुके अनुपयोगी जमीनों को विन्धित कर, शासन को वापिस कराने के सम्बंध में सहमत कराते हुए, निर्देश जारी करवाया है। अपने महापौर कार्यकाल के दौरान उन्होंने तत्कालीन रमन सरकार से सरगुजा विकास

प्राधिकरण में इस विषय परए अपने शहर की ओर से अपना पक्ष रखते हुएए पढ़ा दिलाने की मांग रखी थी, जिसे राज्य सरकार ने स्वीकार कर, अग्रिम कार्यवाही हेतु संभाग आयुक्त की अध्यक्षता में समिति बनाकर, उचित कार्यवाही का निर्देश दिया था। जिसे बाद में भूपेश सरकार ने भी आगे बढ़ते हुए जन-सरोकार वाले इस निर्णय को मूर्तरूप देने के आवश्यक निर्देश दिए हैं। किन्तु कतिपय स्थानीय नेताओं एवं समय के साथ बार-बार बदल रहे अधिकारियों के को आज भी जारी रखा है। इस कारण यह मामला कागजों में ही सिमट के रहा गया था। जिस पर अब फिर से पूर्व महापौर ने मोर्चा संभालते हुए प्रशासन से बातचीत कर, अपने जनता को उनका हक दिलाने के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने का निर्णय लिया है। इस सम्बंध में चिरमिरी के पूर्व

शिक्षकों की हड़ताल से 387 स्कूलों में लटके ताले, पढ़ाई हुई ठप्प

कोरबा। छत्तीसगढ़ शिक्षक मोर्चा के आह्वान पर जिले के एलबी वर्ग के 800 से भी अधिक शिक्षकों के सामूहिक अवकाश पर चले जाने से प्राथमिक व मिडिल के 387 स्कूलों के पट बंद रहे। नियुक्ति तिथि से वेतन विसंगति दूर करने की मांग को लेकर 800 शिक्षकों रायपुर में आयोजित प्रदर्शन में शामिल हुए। शिक्षकों के अवकाश से स्कूलों अध्यापन कार्य ठप रही। रविवार और सोमवार के अवकाश के तीसरे दिन भी स्कूलों के पट बंद रहे। प्रदेश भर के एलबी वर्ग शिक्षकों में वेतन विसंगति को लेकर निराशा देखी जा रही। नियुक्ति तिथि से वेतन का मापदंड अन्य नियमित शिक्षकों की तुलना में कम होने से शिक्षकों में असंतोष व्याप्त है। इससे पहले भी संयुक्त कर्मचारी मोर्चा के आह्वान पर शिक्षक सात जुलाई को एक दिवसीय हड़ताल पर चले गए थे। सरकारी अवकाश के अलावा शिक्षकों के हड़ताल पर चले जाने स्कूलों में समय के अनुसार पाठ्यक्रम के अध्यापन में प्रगति नहीं आ रही है। मंगलवार को शिक्षकों ने सामूहिक अवकाश पर जाने की पहले से ही सूचना दे दी थी। इसके एकल व शिक्षक विहीन स्कूलों में वैकल्पिक व्यस्था नहीं किए जाने की वजह से पट बंद करने की नौबत रही। प्राथमिक व मिडिल स्कूल में अध्ययनरत कई विद्यार्थियों को सूचना के अभाव में स्कूल से बैरंग वापस लौटना पड़ रहा।

बीईओ, एबीईओ, बीआरसीसी की उन्मुखीकरण कार्यशाला हुई आयोजित

प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में गुणवत्ता वृद्धि के लिए विशेष ध्यान दें-कलेक्टर

जोहार छत्तीसगढ़-
जशपुरनगर।

कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के दिशा-निर्देश एवं जिला पंचायत के सीईओ संवित मिश्रा के मार्गदर्शन में शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन हेतु यशस्वी जशपुर कार्यक्रम के तहत जिले के आठो विकासखण्ड के बीईओ, एबीईओ, बीआरसीसी की उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी संजय गुप्ता, सभी विकासखंड के बीईओ, एबीईओ, बीआरसीसी के साथ यशस्वी जशपुर के संजीव शर्मा, अरुण शर्मा, संजय दस उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ. मित्तल ने यशस्वी जशपुर के कार्यों के अन्तर्गत प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं में गुणवत्ता वृद्धि के लिए सभी



अधिकारियों को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्कूलों की सघन मॉनिटरिंग करने तथा बच्चों को विद्यालय में सीखने का प्रेरक वातावरण निर्माण करने के लिए निर्देशित किया। सभी शिक्षक नियमित रूप से विद्यालय में पूरे समय रह कर ईमानदारी और निष्ठा से अध्यापन कार्य

करना सुनिश्चित करें। प्रत्येक माह शैक्षणिक कार्यों की प्रगति की समीक्षा जिले स्तर पर की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी संजय गुप्ता ने कहा कि सभी नियमित रूप से स्कूलों की मॉनिटरिंग करें और उन्मुखीकरण कार्यशाला में दिये गये निर्देश अनुसार स्कूलों का संचालन व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

अगले माह किए गये कार्य के प्रगति की समीक्षा की जाएगी। यशस्वी जशपुर के नोडल अधिकारी विनोद गुप्ता के द्वारा यह उन्मुखीकरण कार्यशाला हो गई। नोडल अधिकारी ने सभी अधिकारियों को प्राथमिक कक्षाओं में किताब पढ़ने की असमर्थता, विद्यार्थियों की अस्मर्थता, विद्यार्थियों की अस्मर्थता में रुचि, उनकी

अनियमित उपस्थिति दूर करने के निराकरण पर चर्चा की। विद्यालय में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति तथा अध्यापन सुनिश्चित करने हेतु मॉनिटरिंग के बिन्दुओं पर विस्तार से समझाया। आकादमिक रूप से गुणवत्ता सुधार हेतु विद्यालय की प्रेंटिंग, शिक्षकों के कार्यों की प्रेंटिंग, शिक्षकों के विलंब से आने की स्थिति में कारण के उद्देश्य के साथ पंजी संधारण, विद्यार्थी दैनंदिनी बनाया जाना, विषय शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों की काफी का सूक्ष्म अवलोकन, विद्यार्थियों को घर में भी पढ़ने तथा स्वाध्यय को प्रेरित करने हेतु किए जाने उपाय, विद्यार्थियों के पूर्व कक्षा की शैक्षणिक तत्कमी के दृष्टिगत प्रारंभिक दिनों में वैकालाग लर्निंग कराया जाना शामिल है।

एक नजर

विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के शिक्षित युवाओं को तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती देने के निर्देश

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के शिक्षित युवाओं को उनकी पात्रतानुसार तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के शिक्षित युवाओं को उनकी पात्रतानुसार तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की कार्यवाही तत्काल प्रारंभ कराते हुए नियुक्ति पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जिस हेतु कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने जिले के सभी जनपद सीईओ को अपने जनपद पंचायत क्षेत्र में विशेष पिछड़ी जनजाति समूह पहाड़ी कोरवा एवं बिहार परिवार के ऐसे शिक्षित युवा जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष है आवेदन निर्धारित प्रारूप में 18 जुलाई से 2 अगस्त तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी जनपद सीईओ को निर्देशित करते हुए कहा है नियुक्ति प्रक्रिया में समय-सीमा निर्धारित है इसलिए इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किया जाए।

जिले में 1 जून से अब 299.5 मिमी वर्षा

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

जशपुर जिले में 1 जून से अब तक 299.5 मिमी औसत वर्षा हो चुकी है। जिले में बीते 10 वर्षों की तुलना में 19 जुलाई तक औसत वर्षा 332.8 मिमी हुई है। बीते दिवस जिले में 2.8 मिमी वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक तहसील जशपुर में 312.8 मिमी, मनोरा में 378.4 मिमी, कुनकुरी में 365.5 मिमी, दुलदुला में 330.3 मिमी, फरसाबाहर में 160.5 मिमी, बगीचा में 367.6 मिमी, कांसाबेल में 147.3 मिमी, पथलगांव में 286.9 मिमी एवं सला में 345.9 मिमी वर्षा हो चुकी है। सर्वाधिक वर्षा मनोरा तहसील में दर्ज की गई है।

कलेक्टर, यूनिसेफ के पदाधिकारी पहुंचे छेरडांड ग्राम पंचायत

* गर्भवती महिलाओं से योगा अभ्यास के संबंध में चर्चा कर साथ में किए योगाभ्यास
* तनाव, बढ़त दर्द, नॉर्मल डिलीवरी में मददगार होगा योगाभ्यास
* परेशानी होने पर तत्काल एनएएम से संपर्क करने समझाइश दी गई

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

जिला प्रशासन एवं यूनिसेफ के साझा कार्यक्रम के तहत पंचायतों में संचालित गर्भवती महिलाओं के लिए योगाभ्यास कार्यक्रम से लाभ लेने वाले गर्भवती महिलाओं से मिलने ग्राम पंचायत छेरडांड डॉ. रवि मित्तल छत्तीसगढ़ यूनिसेफ चीफ ऑफ जकारिया, डॉ. गजेन्द्र सहित यूनिसेफ के पदाधिकारी पहुंचे। जहां उन्होंने पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की जानकारी ली एवं योगाभ्यास से मिलने वाले लाभ के संबंध में चर्चा किया। कलेक्टर एवं यूनिसेफ के पदाधिकारियों ने साथ में ताडसन, विद्यासन का योगाभ्यास किया।

डॉक्टर गजेन्द्र ने योगाभ्यास के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास करने से तनाव, बढ़त दर्द कमी, एवं नॉर्मल डिलीवरी में, बच्चे का वजन बढ़ने में मददगार होता है। उन्होंने संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समझाइश देते हुए कहा कि किसी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल एनएएम से संपर्क करने कहा। छत्तीसगढ़ यूनिसेफ हेड जकारिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ में निशुल्क योगाभ्यास कार्यक्रम जशपुर जिला में संचालित किया जा रहा है जो कि निशुल्क है इसका अधिक से अधिक लाभ उठाने आग्रह किया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आज

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल की अध्यक्षता में 20 जुलाई 2023 को कलेक्टर सभाकक्ष में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित होगी। जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संवित मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर प्रभारी स्वास्थ्य विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला टीकाकरण अधिकारी, जिला आयुर्वेद अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनएएम, जिला आर.एम.उ.सी.एच.ए. कन्सल्टेंट, जिला जनसंपर्क अधिकारी, जिला कोलड चेन मैनेजर, जिला समन्वयक मितानिन कार्यक्रम एवं यूनिसेफ सदस्य अनिल बघेल टीकाकरण में शामिल होंगे। बैठक में सघन मिशन इन्द्रधनुष 500 के सफल क्रियान्वयन एवं सुपरविजनए मॉनिटरिंग पर विशेष रूप से चर्चा एवं कार्यक्रम की गुणवत्ता को बढ़ाना दिया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में नियमित टीकाकरण कवरेज को बढ़ाने 5 वर्ष तक के समस्त झप आउट एवं लेप्ट आउट बच्चों को टीकाकृत किये जाने हेतु सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा। जिसमें प्रथम चरण 7 से 12 अगस्त, द्वितीय चरण 11 से 16 सितम्बर एवं तृतीय चरण 9 से 14 अक्टूबर 2023 तक चलेगा। सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 में लाभान्वित किए जाने वाले बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को जो-डब्ल्यूआईएन के माध्यम से रजिस्टर तथा टीकाकृत किया जाएगा।

लगातार दो सहायक आयुक्त पर कार्यवाही के बावजूद नहीं सुधरा आदिवासी विभाग

जिला प्रशासन के लिए टेढ़ी खीर शाबित हो रहा आदिवासी विभाग

जोहार छत्तीसगढ़- बलौदाबाजार।

पूरा मामला आदिम जाति कल्याण विभाग बलौदाबाजार का है। विभाग की कार्यशैली हमेशा विवादों में ही रहती है। इस कारण पूर्व में लगातार दो सहायक आयुक्त पर कार्यवाही भी की गयी है, उसके बावजूद भी विभाग में अनेकों विसंगतियां देखने को मिल रही हैं। उक्त अवधि में जिला मुख्यालय में चार कलेक्टर भी बदल गए लेकिन वें भी आदिवासी विभाग की व्यवस्था सुधारने में व प्रशासनिक कसावट मड्डे असफल रहे। चाहे विभागीय निर्माण कार्य में अनियमितता हो, छात्रावास संचालन हो, हटाए गए अधीक्षकों से मोटी कमीशन

लेकर पुनः अधीक्षक बनाया जाना, विभागीय कर्मचारियों की उपेक्षा करना, विभागीय खरीदों में भारी भ्रष्टाचार किया जाना या फिर अंतरजातीय विवाह की प्रोत्साहन राशि या फिर एट्रोसिटी की मुआवजा राशि में कमीशनखोरी। ऐसे अनेकों कृत्य हैं जिसमें विभाग का मनमाना रवैया अनेकों सवाल खड़े कर रहा है। अभी तक मुख्यालय के ही भाटागांव में स्थित छात्रावास को खोला नहीं गया है जिसका कारण अनेकों छात्र-छात्राओं की पढ़ाई विधायित हो रही है। साथ ही जिले के अनेकों छात्रावासों एवं आश्रमों में अनुसूचित जाति जन जाति एवं पिछड़े वर्ग के छात्र छात्राई निवासकर अध्ययन कार्य करते हैं। लेकिन विभागीय उदासीनता के कारण विद्यार्थियों



को शासन द्वारा प्रदान किए जाने वाले सभी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। कई बालिका छात्रावासों में अधीक्षिका अपने पुरे परिवार सहित निवास कर रहे हैं जो पूरी तरह नियमविरुद्ध है। सूत्रों के हवालों से अनेकों बाते सामने निकलकर आयी है जो विभाग में व्याप्त घोर अव्यवस्था को प्रदर्शित कर रहा है। जिला कार्यालय आदिवासी विभाग

बलौदाबाजार में अधिकारी द्वारा नियमित कर्मचारियों की उपेक्षा कर महत्वपूर्ण शाखाओं में शाखा प्रभारी के पद पर दैनिक वेतन भोगी अयोग्य कर्मचारियों को रखा गया है। अंगद की पैर की तरह एक ही छात्रावास आश्रमों में लंबे अवधि से जमे अधीक्षक जमकर मलाई खा रहे हैं। बता दे की जिला मुख्यालय, तहसील

मुख्यालय में संचालित छात्रावासों में 25 से 28 साल तक एक ही जगह अधीक्षक-अधीक्षिकाओं का कार्य करना भारी भ्रष्टाचार और राजनैतिक संरक्षण को दर्शाता है जिससे अनेकों लोग प्रभावित हो रहे हैं। शासन के आदेशों को स्पष्ट उल्लेखन इस बात से प्रतीत होता है की वर्ष 2015-2016 में नियुक्त किए गए लगभग 40 छात्रावास अधीक्षक श्रेणी द एवं श्रेणी स को जिलाधिकारी द्वारा मनमानी करते हुए इन अधीक्षकों का कार्यभार उनके मूल पदस्थापना के स्थानों में आजपर्यंत तक नहीं दिया गया है। अधिकांश ऐसे कई अधीक्षक हैं जो 30-40 किलोमीटर दूर स्थित छात्रावास को चरपासी के भरोसे छोड़कर जिला मुख्यालय में बैठे रहते हैं,

जिसके कारण छात्रावास में निवासरत छात्र-छात्राओं का उचित देखरेख व मुलभुत सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है। चतुर्थश्रेणी कर्मचारियों के भरोसे छात्रावास-आश्रमों में पदस्थ अधीक्षक-अधीक्षिका संस्था में प्रतिदिन उपस्थित नहीं रहते हैं, वे अपने इच्छानुसार ससाह में एक से दो बार ही छात्रावास में हस्ताक्षर करने जाते हैं। जिससे बच्चे अनुशासित नहीं हो पाते हैं। आदिवासी विकास बलौदाबाजार में वर्तमान में पूर्ण स्वतंत्र व सक्षम अधिकारी का न होना भी अव्यवस्था का मुख्य कारण बताया जा रहा है, दो प्रभारी अधिकारी के कार्य करने से आपसी खींचतान की स्थिति निर्मित हो रही है।

14 लाख का स्ट्रीट लाइट घोटाला, जनपद पंचायत का मुख्य कार्यपालन अधिकारी पहुंचा जेल

कांकेर । 14.40 लाख रूपए के स्ट्रीट लाइट घोटाले में तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत अंतगढ़ को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसकी जांच कलेक्टर द्वारा गठित टीम ने की थी।

जानकारी के मुताबिक जिला खनिज न्यास निधि अन्तर्गत वर्ष 2021-22 में जनपद पंचायत अंतगढ़ के ग्राम पंचायत योन्दानार में वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था हेतु सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइट की स्थापना (30 नग) राशि 14.40 लाख रूपये के संबंध में कलेक्टर कार्यालय से स्वीकृति प्रदाय की गई थी। लेकिन उक्त पंचायत में सोलर एल.ई.डी. स्ट्रीट लाइट 30 नग का कार्य कराया ही नहीं गया और स्वीकृत राशि का भुगतान संबंधित फर्म को कर दिये जाने की अनियमितता की शिकायत पर कलेक्टर के पास पहुंची।

कलेक्टर कांकेर के निर्देश पर जांच टीम गठित कर जांच कराया गया, शिकायत जांच समिति द्वारा जांच में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर जिला खनिज न्यास जिला उ. ब. कांकेर द्वारा ग्राम पंचायत योन्दानार, जनपद पंचायत अंतगढ़ में 30 नग सोलर एल.ई.डी. स्ट्रीट लाइट लगाने हेतु स्वीकृति प्रदाय की गई थी परन्तु उक्त पंचायत में सोलर एल.ई.डी. स्ट्रीट लाइट 30 नग का कार्य कराया ही नहीं गया है और स्वीकृत राशि का भुगतान संबंधित फर्म को कर दिया गया है।

ट्रेलर की चपेट में आकर एसईसीएल कर्मी घायल, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

जोहार छत्तीसगढ़- धरमजयगढ़।

जिले के छाल थाना क्षेत्र में बुधवार को सड़क हादसे में एक एसईसीएल कर्मी बुरी तरह घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं इस घटना की सूचना पर पुलिस आगे की कार्यवाही में जुट गई है। इस घटना के बारे में मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार को दोपहर एसईसीएल कर्मी बसंत राठिया लात पुनवास से छाल की ओर बाइक से जा रहा था। इसी दौरान वह एक ट्रेलर वाहन ने बसंत को अपने चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि इस हादसे में बसंत का दाहिना हाथ ट्रेलर में बुरी



तरह दब गया। जिसके बाद गंभीर हालत में उसे छाल के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद घायल को जिला अस्पताल भेज दिया गया है। बता दें कि वर्तमान



विधानसभा सत्र में विधायक प्रकाश नायक द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने बताया कि रायगढ़ जिले में 2020 से प्रश्नावधि तक 1850 सड़क हादसे

हुए हैं। जिनमें 1027 व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। वहीं, सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में इसी समयविधि के भीतर हुई 628 सड़क दुर्घटनाओं में 321 लोगों की मौत हुई है।

घरघोड़ा से तमनार मार्ग में बेखौफ धड़ल्ले से स्थानीय प्रशासन को टेंगा दिखाते हुए चल रही अवैध रूप से भारी वाहन

जोहार छत्तीसगढ़- घरघोड़ा।

घरघोड़ा से तमनार जाने का एकमात्र पक्की सड़क जोकि ग्रामीण सड़क है जिसमें सड़क के किनारे कई गांव और स्कूल बसे हुए हैं और लगभग 25 वर्ष के बाद दोबारा यह सड़क पक्की बनाई गई है जिस पर रोजाना सैकड़ों की संख्या में बिना परमिशन के ओवरलोड कोयले

से भारी ट्रेलर चल रही हैं कुछ ग्राम के लोगों ने स्थानीय प्रशासन को ज्ञापन के माध्यम से वाहन बंद करने के लिए पत्र भी सौंपा था और घरघोड़ा तमनार अधिवक्ता संघ ने भी घरघोड़ा से तमनार मार्ग में बिना परमिशन के कोयले से भारी ओवरलोड गाड़ियों को चलने के लिए घरघोड़ा एसडीएम को ज्ञापन दिया था लेकिन अब तक किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं



होती दिख रही और तो और आरटीओ परिवहन विभाग भी खामोश है जबकि ओवरलोड तथा वाहनों से संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की मांग उठ रही है घरघोड़ा हाई स्कूल में टावर लाइट के बगल में घरघोड़ा पुलिस थाना के द्वारा बड़े-बड़े सीसी कैमरे लगाए गए हैं अगर प्रशासन चाहे तो सीसी फुटेज निकालकर भी कार्यवाही कर सकता है स्थानीय

प्रशासन एवं पुलिस की उदासीनता के कारण घरघोड़ा तमनार देवगढ़ झरियापाली जरेकेला के लोग अवैध परिवहन से त्रस्त हो रहे हैं और जल्द ही अवैध वाहन प्रवेश के खिलाफ में आंदोलन करने की तैयारी चल रही है इस पर जल्द ही जिला प्रशासन को निर्णय लेना होगा तब जाकर अवैध वाहनों के प्रवेश में प्रतिबंध लगेगा।

शैक्षणिक कार्ययोजना पर आयोजित हुई समीक्षा बैठक जनपद अध्यक्ष व बीईओ रहे उपस्थित



जोहार छत्तीसगढ़- धरमजयगढ़।

जिला प्रशासन के निर्देशानुसार 19 जुलाई 23 को जनपद सभा कक्ष में जनपद अध्यक्ष पुनीत राठिया के अध्यक्षता में विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं पर चर्चा की गई। ईद दौरान धरमजयगढ़ विकासखंड शिक्षा अधिकारी आरएस सारथी द्वारा शैक्षणिक कार्ययोजना पर चर्चा की गई। जिसमें शिक्षकों की उपस्थिति, शिक्षक दैनिकी, विद्यार्थी दैनिकी, पाठ्यक्रम इकाई, टेस्ट प्रश्न पत्र, आगमन निर्गमन पंजी संधारण, निर्माण मुख्यमंत्री जतन योजना प्राचार्य व हाई स्कूल हायर सेकेंडरी विषय विशेषज्ञों के साथ बैठक में चर्चा की गई। बुधवार

को आयोजित इस बैठक में अध्यक्ष पुनीत राठिया द्वारा प्रत्येक प्राचार्यों से विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं पर चर्चा की गई। ईद दौरान धरमजयगढ़ विकासखंड शिक्षा अधिकारी आरएस सारथी द्वारा शैक्षणिक कार्ययोजना पर चर्चा की गई। जिसमें शिक्षकों की उपस्थिति, शिक्षक दैनिकी, विद्यार्थी दैनिकी, पाठ्यक्रम इकाई, टेस्ट प्रश्न पत्र, आगमन निर्गमन पंजी संधारण, निर्माण मुख्यमंत्री जतन योजना प्राचार्य व हाई स्कूल हायर सेकेंडरी विषय विशेषज्ञों के साथ बैठक में चर्चा की गई। बुधवार

कार्यक्रम, पुस्तकालय, बालवाड़ी व अविष्कार अभियान के संबंध में बृहद चर्चा की गई। इसके साथ ही जाति प्रमाण पत्र एवं छात्रवृत्ति पर समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया है। बैठक के दौरान उत्कृष्ट योजना के अंतर्गत 70: से कम परीक्षा फल विद्यालय का कम प्रतिशत आने का कारण की समीक्षा करते हुए विषय विशेषज्ञ शिक्षकों के साथ चर्चा की गई। वहीं, मितान युवा क्लब में अंग्रेजी गणित की कक्षा संचालन पर भी विशेष चर्चा कर बच्चों को लाभ देने पर विस्तार पूर्वक बात की गई।

युवा मोर्चा व अनुसूचित जाति-जनजाति मोर्चा ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र के विरोध में जमकर किया हल्ला बोल प्रदर्शन

भाजयुमो ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 29 युवाओं को जेल से रिहा करने की रखी मांग

जोहार छत्तीसगढ़- सूरजपुर।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग को जारी किए गए 267 फर्जी जाति प्रमाण पत्र को निरस्त करते हुए उन पर दंडात्मक कार्यवाही करने के लिए लगातार तीन वर्षों से मांग कर रहे अनुसूचित जनजाति व जाति वर्ग के युवाओं की मांग 3 वर्ष में भी पूर्ण नहीं होने पर एक दिवसीय पूर्ण प्रशासन को सूचना देकर प्रदेश की राजधानी रायपुर विधानसभा रोड में नग्न प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की गाड़ी के आगे आकर अपनी मांगों को रखते हुए नग्न होकर युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया जिसके बाद में प्रदर्शन प्रदेश की अंधा कानून सरकार और उस सरकार के



मुखिया भूपेश बघेल के द्वारा उन तमाम युवाओं की मांग पूर्ण करने की बजाय या उनकी बात सुनने की बजाय नंद प्रदर्शन कर सरकार का विरोध करने वाले अनुसूचित जनजाति व अनुसूचित जाति वर्ग के 29 युवाओं को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। इस हेतु भूपेश बघेल के विरोध में और इन युवाओं के समर्थन में अनुसूचित जाति व जनजाति मोर्चा एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला सूरजपुर

जनता पार्टी कार्यालय नवापारा से पैदल मार्च कर शहर के स्थानीय अग्रसेन चौक पर जमकर हल्ला बोलते हुए प्रदेश सरकार के विरोध में नारेबाजी के साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला फूँक का गया

इस दौरान कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस ने जमकर जुम्मा झटकी भी हुई। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता भीमसेन

अग्रवाल, अजय गोयल, प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजवाड़े, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रविंद्र भारती, भाजपा जिला महामंत्री मुरली मनोहर सोन, जिला उपाध्यक्ष भूतन सिंह भारती, पुष्पा सिंह, अरुण सिंह, कौशल सिंह, सुरेश सिंह, संत सिंह, महेश्वरी शर्मा, किरण खेर, किरण केराम, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल, पार्षद अजय सिंह, सरोज साहू, भाजयुमो जिला महामंत्री सावन गोयल, दुर्गा गुप्त, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विवेक अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष शशवंत प्रताप सिंह, काफ़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी, अनुसूचित जाति व जनजाति मोर्चा, भारतीय जनता युवा मोर्चा, महिला मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता काफ़ी संख्या में सक्रिय रहे।

अग्रवाल, अजय गोयल, प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजवाड़े, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रविंद्र भारती, भाजपा जिला महामंत्री मुरली मनोहर सोन, जिला उपाध्यक्ष भूतन सिंह भारती, पुष्पा सिंह, अरुण सिंह, कौशल सिंह, सुरेश सिंह, संत सिंह, महेश्वरी शर्मा, किरण खेर, किरण केराम, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल, पार्षद अजय सिंह, सरोज साहू, भाजयुमो जिला महामंत्री सावन गोयल, दुर्गा गुप्त, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विवेक अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष शशवंत प्रताप सिंह, काफ़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी, अनुसूचित जाति व जनजाति मोर्चा, भारतीय जनता युवा मोर्चा, महिला मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता काफ़ी संख्या में सक्रिय रहे।

अग्रवाल, अजय गोयल, प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजवाड़े, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रविंद्र भारती, भाजपा जिला महामंत्री मुरली मनोहर सोन, जिला उपाध्यक्ष भूतन सिंह भारती, पुष्पा सिंह, अरुण सिंह, कौशल सिंह, सुरेश सिंह, संत सिंह, महेश्वरी शर्मा, किरण खेर, किरण केराम, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल, पार्षद अजय सिंह, सरोज साहू, भाजयुमो जिला महामंत्री सावन गोयल, दुर्गा गुप्त, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विवेक अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष शशवंत प्रताप सिंह, काफ़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी, अनुसूचित जाति व जनजाति मोर्चा, भारतीय जनता युवा मोर्चा, महिला मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता काफ़ी संख्या में सक्रिय रहे।